खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 21 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-199

समुद्र के खारे पानी को पीने योग्य बनाने वाले प्लांटों पर संकट

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अब संघर्ष का दायरा पानी की आपूर्ति व्यवस्था तक पहुंच गया है। हाल के घटनाक्रम में दोनों देशों द्वारा एक-दूसरे के उन संयंत्रों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं, जहां समुद्र के खारे पानी को शुद्ध कर पीने योग्य बनाया जाता है।

इन डिसेलिनेशन प्लांटों पर हमलों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में जल सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि यहां के अधिकांश देशों की पेयजल व्यवस्था इन्हीं संयंत्रों पर निर्भर है। खाड़ी क्षेत्र के देशों में प्राकृतिक मीठे पानी के स्रोत बेहद सीमित हैं। कुवैत, कतर, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपनी अधिकांश पेयजल जरूरत समुद्री पानी को शुद्ध कर पूरी करते हैं। कतर में 99 प्रतिशत से अधिक, कुवैत और बहरीन में लगभग 90 प्रतिशत, ओमान में करीब 86 प्रतिशत और सऊदी अरब में बड़ी मात्रा में पेयजल डिसेलिनेशन संयंत्रों से प्राप्त होता है। पूरे खाड़ी क्षेत्र में 400 से अधिक ऐसे संयंत्र संचालित हैं, जो दुनिया के कुल डिसेलिनेटेड पानी का लगभग 45 प्रतिशत उत्पादन करते हैं।

हाल के हमलों में कुवैत के एक बड़े बिजली उत्पादन और डिसेलिनेशन संयंत्र को निशाना बनाए जाने की सूचना है। हमले में बिजली उत्पादन इकाइयों को नुकसान पहुंचा और आग लग गई। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन एहतियात के तौर पर सरकार ने लोगों से बिजली और पानी की बचत करने की अपील की। दूसरी ओर, ईरान के होर्मोजगान प्रांत में स्थित एक डिसेलिनेशन संयंत्र को भी नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, संयंत्र के फिल्टर और पंपिंग सिस्टम प्रभावित होने से आसपास के कई गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित हुई है। हालांकि इन घटनाओं से जुड़े कुछ दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसे संयंत्र लंबे समय तक बंद रहते हैं तो सबसे पहले सरकारों को अपने आपातकालीन जल भंडार का सहारा लेना पड़ता है। इसके बाद पानी की राशनिंग, अस्पतालों और उद्योगों पर असर तथा भीषण गर्मी में पेयजल संकट जैसी गंभीर परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। खाड़ी देशों में कई डिसेलिनेशन प्लांट बिजलीघरों से भी जुड़े होते हैं, इसलिए इन पर हमला पानी के साथ-साथ बिजली आपूर्ति को भी प्रभावित कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में मालगाड़ी के 17 डिब्बे पटरी से उतरे, रेल सेवा में रुकावट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मटियारी जिले के वहाब शाह रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी (कोल हापर ट्रेन) के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस कारण सिंध क्षेत्र में रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और सभी अप-डाउन ट्रैक को बंद करना पड़ा। कराची और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल सेवा कुछ समय के लिए रुक गई। शुरुआती खबरों के मुताबिक, इस घटना से कई यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही बाधित हुई और कई सेवाएं देर से चलीं। यह मालगाड़ी कराची से यूसुफवाला जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को हादसे के तुरंत बाद पाकिस्तान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग और बचाव टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि हादसे की सही वजह का तुरंत पता नहीं चल सका। हैदराबाद, टांडो आदम और अन्य रेलवे स्टेशनों पर फंसे यात्रियों ने मंजिल तक पहुंचने के लिए परिवहन के दूसरे संसाधनों का सहारा लिया। टांडो आदम के निवासियों और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी प्रभावित यात्रियों को भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं देकर मदद की। रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि अप और डाउन दोनों ट्रैक पर ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं और लाइन 24 घंटे तक बंद रह सकती है। कराकोरम एक्सप्रेस को हैदराबाद स्टेशन पर, अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस को कोट्री स्टेशन पर और पाकिस्तान एक्सप्रेस को लांधी स्टेशन पर रोका गया।

उपराष्ट्रपति वेंस और उषा वेंस के घर गूंजी चौथी किलकारी, 156 साल का इतिहास दोहराया

वाशिंगटन। अमेरिका के राजनीतिक गलियारों में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस ने रविवार को अपने चौथे बच्चे के जन्म की खबर साझा की। इस युगल के घर एक प्यारे से बेटे का आगमन हुआ है, जिसे उन्होंने ऐलेक नील वेंस नाम दिया है। यह खबर सोशल मीडिया पर खुद दंपति ने साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि उषा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ और खुश हैं, और उनके पहले से मौजूद तीन बच्चे अपने छोटे भाई से मिलने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह घटना अमेरिकी इतिहास में एक दुर्लभ और ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि जेडी वेंस पिछले 156 सालों में पद पर रहते हुए पिता बनने वाले पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति बन गए हैं। यह अनोखा संयोग इससे पहले 1870 में देखने को मिला था, जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति स्कायरलर कोलफैक्स और उनकी पत्नी एलेन वेड कोलफैक्स के घर उनके बेटे का जन्म हुआ था। उससे भी पहले, 1829 में जान सी. कैलहून के उपराष्ट्रपति रहते उनके बेटे विलियम का जन्म हुआ था। इस प्रकार, जेडी वेंस अमेरिकी इतिहास में ऐसे महज तीसरे उपराष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पिता बनने का गौरव प्राप्त किया है।

विकसित देशों में अकेले रहने वाली महिलाओं की लगातार बढ़ रही संख्या

वाशिंगटन। विकसित देशों में बिना शादी और बिना बच्चों के जीवन बिताने वाली महिलाओं की संख्या

लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आज की कई महिलाएं विवाह को अनिवार्यता नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पसंद का विषय मान रही हैं और करियर, आत्मविकास, आर्थिक स्वतंत्रता तथा अपनी पसंद की जीवनशैली को अधिक महत्व दे रही हैं। प्यू रिसर्च सेंटर, अमेरिकी जनगणना ब्यूरो और मार्गन स्टेनली की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका और अन्य विकसित देशों में अकेले रहने वाली महिलाओं के घरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में महिलाएं पहले की तुलना में अधिक उम्र में विवाह कर रही हैं, कम बच्चे पैदा कर रही हैं या फिर मातृत्व का विकल्प ही नहीं चुन रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बदलाव के पीछे उच्च शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता, बेहतर रोजगार के अवसर, बढ़ती औसत आयु और बदलती सामाजिक सोच प्रमुख कारण हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाएं पहले अपने करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रही हैं। अच्छी आय और वित्तीय सुरक्षा मिलने के बाद उन पर विवाह का सामाजिक या आर्थिक दबाव पहले जैसा नहीं रह गया है। कई महिलाएं स्वयं घर खरीद रही हैं, वाहन चला रही हैं और स्वतंत्र रूप से जीवनयापन कर रही हैं। ऐसे में विवाह अब उनके लिए आवश्यकता के बजाय व्यक्तिगत निर्णय बन गया है।

ईरान के कई शहरों में विस्फोट, इराक पर ड्रोन हमले में अमेरिकी सैनिक की मौत, लेबनान के राष्ट्रपति वाशिंगटन पहुंचे

तेहरान/वाशिंगटन

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी जंग से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका के हवाई हमले से ईरान के कई शहरों में धमाके हुए हैं। इराक पर हुए ड्रोन हमले में एक अमेरिकी सैनिक की मौत से हालात और नाजुक हो गए हैं। इस लड़ाई के बीच लेबनान के राष्ट्रपति अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत के लिए वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। ईरान ने अमेरिका पर उसके डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने कहा कि उसकी सेना ने रविवार शाम ईरान के खिलाफ हमलों का एक और दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने लगातार नौवीं रात हवाई हमले किए। यह सिलसिला जारी रहेगा। उधर, इराक में ईरानी ड्रोन से जुड़ी घटना में एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर नए हवाई हमले किए। इस जंग के बीच लेबनान के राष्ट्रपति की वाशिंगटन यात्रा चर्चा में है।

सेंटकाम के अनुसार, उत्तरी इराक में गिराए गए एक ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने के दौरान एक अमेरिकी सैनिक की मौत हुई है। इस घटना में एक अन्य सैनिक घायल भी हुआ है। उसका इलाज चल रहा है। अमेरिका का कहना है कि 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद अब तक 17 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है। ईरान के दावे ने दुनिया भर में खलबली मचा दी है।

ईरान ने कहा है कि अमेरिका ने उसके दक्षिण-पश्चिमी खूजिस्तान प्रांत में निर्माणाधीन डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया है। यह संयंत्र कारून नदी के किनारे स्थित है। इसे एस्टेघलाल या कारून परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी कहते हैं। ईरानी परमाणु ऊर्जा संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और ईरान की संप्रभुता पर हमला बताया है। यह घटना रविवार स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 3:40 बजे की बताई गई है। ईरान ने दावा किया कि इसके बाद उसने कुवैत में अमेरिका बेस पर जवाबी ड्रोन हमला किया।

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, रविवार को अमेरिका ने खुजेस्तान के अबादान शहर के बाहरी इलाके पर मिसाइल हमला किया गया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि अहवाज शहर में अमेरिका के एमक्यू-9 (एमक्यू-9) ड्रोन को मार गिराया है। इस दावे पर अमेरिका की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इन घटनाओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के एमओयू का पालन नहीं करने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिका की प्राथमिकता केवल एक है कि ईरान किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल न कर सके। इस बीच संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध इंटरनेशनल एटामिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि ईरान के डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले की खबरों की जांच शुरू कर दी गई है। एजेंसी ने कहा कि यह संयंत्र अभी निर्माण के शुरुआती चरण में है। एजेंसी ने पिछली बार इस स्थान का दौरा किया था, तो वहां कोई परमाणु सामग्री नहीं थी। एजेंसी ने कहा कि इस कथित हमले से किसी भी तरह का रेडियोलाजिकल खतरा होने की आशंका नहीं है, लेकिन डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रोसी ने सभी परमाणु-संबंधी साइटों के आसपास सैन्य संयम बरतने की अपील दोहराई है। बताया गया है कि आईआरजीसी की नौसेना ने होर्मुज में दो जहाजों को भी रोका। नौसेना ने कहा कि ये जहाज अमेरिकी समर्थन के साथ असुरक्षित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। नौसेना ने चेतावनी दी कि ईरान का होर्मुज पर पूरा नियंत्रण है। बिना ईरान की अनुमति के कोई भी तेल, गैस या केमिकल फर्टिलाइजर का परिवहन संभव नहीं है। ईरान के उप विदेशमंत्री काजेम गरीबाबादी ने रविवार को चेतावनी दी कि निर्माणाधीन डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले का माकूल जवाब दिया जाएगा। इसके नतीजों की पूरी जिम्मेदारी अमेरिका की होगी। यूके मैरीटाइम ट्रेड आपरेशन्स ने बताया कि सूचना मिली है कि ओमान के तट पर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक जहाज में आग लग गई है। यह घटना उत्तरी ओमान में कुमजार से आठ नाटिकल मील उत्तर-पश्चिम में हुई। अभी तक आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं, बहरीन में अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि उसे ऐसी जानकारी मिली है ईरान राजधानी मनामा के बीचों-बीच कुछ खास जगहों को निशाना बना सकता है। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हम सभी अमेरिकियों से अपील करते हैं कि वे सतर्क रहें।

अगर इजराइली पीएम नेतन्याहू न्यूयार्क आए तो उन्हें गिरफ्तार करेंगे ममदानी

न्यूयार्क

न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर कहा कि अगर नेतन्याहू सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने न्यूयार्क आते हैं, तो उनकी गिरफ्तारी की संभावना पर उनकी प्रशासनिक टीम कानूनी राय ले रही है। एक इंटरव्यू में ममदानी ने कहा कि मेरा मानना है कि नेतन्याहू का स्थान हेग में है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया है और लोग उन्हें युद्ध अपराधी मानते हैं।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि न्यूयार्क के मेयर के पास किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की गिरफ्तारी का कानूनी अधिकार है या नहीं। ममदानी ने बताया कि इस मुद्दे पर न्यूयार्क सिटी के ला डिपार्टमेंट के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि कानून मुझे जो करने की अनुमति देगा, हम वही करेंगे। हम अपने हिसाब से नया कानून नहीं बनाएंगे। जोहरान ममदानी का कहना है कि अगर कानून इजाजत देता है तो आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट का सम्मान किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

अंतरराष्ट्रीय कोर्ट ने जारी किया है वारंट, नेतन्याहू को युद्ध अपराधी मानते हैं लोग

ममदानी ने गाजा युद्ध को लेकर नेतन्याहू की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एक जांच समिति भी वहां की स्थिति को लेकर गंभीर टिप्पणियां कर चुकी है। हालांकि, कानूनी विशेषज्ञ इस संभावना को बेहद जटिल मान रहे हैं। अमेरिका अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का सदस्य नहीं है और उसकी अधिकारिता को आधिकारिक रूप से स्वीकार भी नहीं करता है। ट्रंप प्रशासन पहले ही आईसीसी के खिलाफ सख्त रुख अपना चुका है और उसे कमजोर करने की नीति की घोषणा कर चुका है।

अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञ ने इस पूरे विवाद को राजनीतिक टकराव का खेल बताया। उनके मुताबिक यह मामला न्यूयार्क प्रशासन, ट्रंप खेमे और नेतन्याहू के बीच एक बड़े संवैधानिक और राजनीतिक संघर्ष का रूप ले सकता है।

सोना बनाने वाला बैक्टीरिया बना वैज्ञानिकों के लिए आकर्षण केंद्र

बर्लिन। जर्मनी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसे सूक्ष्मजीव की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया है, जो विषैले धातु यौगिकों को शुद्ध सोने के सूक्ष्म कणों में बदलने की क्षमता रखता है। यह बैक्टीरिया वैज्ञानिकों के लिए आकर्षण केंद्र बन गया है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह खोज भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल खनन तकनीक विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञ स्पष्ट करते हैं कि यह बैक्टीरिया सामान्य अर्थों में सोना बनाता नहीं है, बल्कि पहले से मौजूद घुले हुए स्वर्ण यौगिकों को रासायनिक रूप से परिवर्तित कर ठोस सोने के कणों के रूप में जमा करता है। यह अध्ययन जर्मनी की मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय और टेक्निकल यूनिवर्सिटी आफ म्यूनिख के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया। शोध का केंद्र क्यूप्रियाविडस मेटालिड्यूरान्स नामक बैक्टीरिया है, जो भारी धातुओं से भरपूर और विषैले वातावरण में भी जीवित रह सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह सूक्ष्मजीव तांबा और सोने जैसे धातु यौगिकों की अधिक मात्रा वाले क्षेत्रों में विशेष रूप से सक्रिय रहता है।

ऊर्जा संकट पर पाकिस्तानी विश्लेषक मतीन ने अपनी सरकार को घेरा, रूसी तेल से अरबों कमाने के लिए भारत की सराहना की

इस्लामाबाद

ईरान में युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण दुनियाभर में पैदा हुए तेल-गैस संकट के बीच पाकिस्तान के जाने-माने विश्लेषक आमिर मतीन ने अपने देश के हुक्मरानों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर पाकिस्तान की नाकामियों को उजागर करते हुए भारत की दूरदर्शी नीतियों की जमकर तारीफ की है।

दरअसल, ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में एशियाई देशों को तेल-गैस की आपूर्ति करने वाले सबसे अहम समुद्री रास्ते होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहरा गया है और पाकिस्तान में तेल की किल्लत से हाहाकार मचा हुआ है। इस गंभीर संकट पर एक परिचर्चा के दौरान आमिर मतीन ने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि वैश्विक संकट से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन सवाल यह है कि हमारी सरकार ने इसके लिए क्या तैयारी की थी उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले के शुरू होने के बाद भी संकट से निपटने के लिए पाकिस्तान सरकार की कोशिशें पूरी तरह शून्य रही हैं। इसके विपरीत, उन्होंने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे पड़ोस में स्थित भारत के पास आज दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियां मौजूद हैं, विशेषकर गुजरात जैसे तटीय राज्य में भारत ने बेहतरीन बुनियादी ढांचा तैयार किया है। मतीन ने कहा कि अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीद पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों और हाल ही में 100 फीसदी टैरिफ की धमकियों के बावजूद भारत का ऊर्जा प्रबंधन बेहद शानदार रहा है। भारत न

केवल पश्चिमी प्रतिबंधों की परवाह किए बिना रूस से भारी छूट पर कच्चा तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे अपनी अत्याधुनिक रिफाइनरियों में रिफाइन भी कर रहा है। इसके बाद, भारत इसी रिफाइंड तेल को वापस रूस और दुनिया के अन्य देशों को बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय रिफाइनरियां सिर्फ रूसी तेल के प्रसंस्करण और निर्यात से ही सालाना 12 से 17 अरब डालर की भारी-भरकम कमाई कर रही हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तानी हुक्मरानों पर बरसते हुए मतीन ने कहा कि हमारे यहां पिछले 20-30 सालों से हर बिजली बिल पर भारी टैक्स वसूला जा रहा है और जनता को यह झांसा दिया गया कि इस पैसे से देश में रिफाइनरियां खड़ी की जाएंगी। इसके बावजूद, पाकिस्तान आज दुनिया को बेचना तो दूर, अपनी घरेलू जरूरतों का तेल भी रिफाइन करने में सक्षम नहीं है और इस वैश्विक संकट के समय पाकिस्तानी नीतियां पूरी तरह विफल साबित हुई हैं।

दुनिया की सबसे बुद्धिमान केआ चिड़िया कारों को पहुंचा देती है लाखों रुपए का नुकसान

वेलिंग्टन

न्यूजीलैंड की केआ चिड़िया कारों की सबसे बड़ी दुश्मन के रुप में जानी जाती है। केआ चिडिया कुछ मिनटों में कारों को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचा देती है। तोते की प्रजाति से संबंध रखने वाला यह पक्षी दुनिया के सबसे बुद्धिमान पक्षियों में गिना जाता है, लेकिन इसकी जिज्ञासु प्रवृत्ति कई बार लोगों के लिए भारी पड़ जाती है। खासकर पर्यटकों की कारें इसकी शरारतों का सबसे आसान निशाना बनती हैं। यह पक्षी कुछ ही मिनटों में वाहनों के रबर पार्ट्स और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाकर लाखों रुपये की क्षति पहुंचा देता है। केआ मुख्य रूप से न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है। यह आर्थर पास, मिलफोर्ड साउंड और अन्य लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर बड़ी संख्या में देखा जा सकता है। स्थानीय लोग इसकी चंचल और मजाकिया हरकतों के कारण इसे पहाड़ों का मसखरा भी कहते हैं। हालांकि इसकी यही आदत

कई बार पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार केआ अत्यंत जिज्ञासु और बुद्धिमान पक्षी है। किसी नई वस्तु को देखकर वह उसे अपनी मजबूत चोंच से खोलने या उसके भीतर क्या है, यह जानने की कोशिश करता है। यही कारण है कि पार्किंग में खड़ी कारें इसका पसंदीदा लक्ष्य बन जाती हैं।

यह कारों की रबर विंडो सील, वाइपर, एंटीना, हेडलाइट के रबर हिस्से और कई बार टायर तक को अपनी चोंच से खींचकर निकालने का प्रयास करता है। कई पर्यटकों ने बताया है कि कुछ ही मिनटों में उनकी गाड़ियों के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह व्यवहार उसकी प्राकृतिक जीवनशैली का हिस्सा है। जंगल में भोजन की तलाश के दौरान केआ विभिन्न वस्तुओं को खोलकर उनके भीतर मौजूद खाने योग्य चीजों की खोज करता है। यही स्वभाव वह मानव बस्तियों और पर्यटन स्थलों पर भी अपनाता है। उसके लिए कार कोई वाहन नहीं, बल्कि जांच-परख करने की एक नई वस्तु होती है। केआ को न्यूजीलैंड में संकटग्रस्त प्रजाति घोषित किया गया है और उसे कानूनी संरक्षण प्राप्त है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति इस पक्षी को नुकसान पहुंचाता है, घायल करता है या मारने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। न्यूजीलैंड सरकार पर्यटकों को सलाह देती है कि वे केआ से सुरक्षित दूरी बनाए रखें, उसे भोजन न खिलाएं और वाहन ऐसी जगह पार्क करें जहां इस पक्षी की पहुंच कम हो।

केआ केवल अपनी शरारतों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी असाधारण बुद्धिमत्ता के लिए भी प्रसिद्ध है। शोधों में पाया गया है कि यह कठिन समस्याओं का समाधान निकालने, औजारों का सीमित उपयोग करने और नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने में सक्षम है। इसकी आयु लगभग 50 वर्ष तक हो सकती है और इसकी तेज तथा अलग-अलग प्रकार की आवाज भी इसकी खास पहचान है। विशेषज्ञों का कहना है कि केआ प्रकृति का एक अनोखा और दुर्लभ पक्षी है। उसकी शरारतें भले ही कभी-कभी लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचा दें, लेकिन यही व्यवहार उसकी बुद्धिमत्ता और प्राकृतिक जिज्ञासा का प्रमाण भी है। इसलिए इस पक्षी को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसके प्राकृतिक आवास और संरक्षण का सम्मान करना ही सबसे उचित तरीका माना जाता है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | मंगलवार, 21 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-199

कॉकरोच 'आतंकी'

संसद के आस-पास खून-खराबा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सेंट्रल दिल्ली में बेहद तनावपूर्ण हालात देखने को मिले। संसद भवन के ऊपर आंसू गैस के धुएं के बादल छाये रहे, पुलिस की लाठियों का सामना करते युवा प्रदर्शनकारी और दिन के अंत तक जंतर-मंतर को खाली कराने की कार्रवाई के बीच सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच बातचीत की भी कोशिशें हुईं। दिल्ली में देर शाम तक जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। सेंट्रल दिल्ली के बड़े हिस्से में भीषण जाम की स्थिति बनी रही और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के कारण कई प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार एहतियातन बंद कर दिए गए, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हजारों की संख्या में युवा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की ओर बढ़े, लेकिन संसद मार्ग के पास दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने उन्हें आंसू गैस के गोले दागकर और हल्का बल प्रयोग करके तितर-बितर कर दिया। 'चलो संसद' के नारे के साथ निकले प्रदर्शनकारियों ने सेंट्रल दिल्ली की हाई-सिक्योरिटी सड़कों को विरोध प्रदर्शन का मुख्य केंद्र बना दिया। हाथ में तिरंगा और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी 'भारत माता की जय', जय भीम, वंदे मातरम् और धर्मेंद प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लगाते रहे। जहां-जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें रोका, वे वहीं धरने पर बैठ गए, जिससे शहर के कई हिस्सों में प्रदर्शन फैल गया। इस प्रदर्शन में स्कूली छात्र, कॉलेज छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल थे। कुछ छात्र स्कूल यूनिफॉर्म में पहुंचे थे, जबकि कुछ ने कॉकरोच की वेशभूषा पहन रखी थी।

झड़प में 5 आईपीएस समेत 50 से अधिक जवान घायल, 100 हिरासत मे

दिल्ली पुलिस का दावा है कि प्रदर्शनकारियों के साथ हुई हिंसक झड़प में उसके और केंद्रीय बलों के 50 से अधिक जवान घायल हुए हैं, जिनमें 5 सीनियर आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि करीब 100 लोगों को हिरासत में लिया गया है और राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 65 मेडिको-लीगल केस दर्ज किए गए हैं। गौरतलब है कि पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के खिलाफ शुरू हुआ कॉकरोच जनता पार्टी का यह आंदोलन 20 जून से जंतर-मंतर पर चल रहा है। इस आंदोलन को प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन से जुड़े कुछ छात्रों के आमरण अनशन के बाद व्यापक जनसमर्थन मिला।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों में से बहुत सारे छात्र नहीं हैं। कई संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स से भ्रामक जानकारियां भी फैलाई जा रही थीं। विशेष रूप से पाकिस्तान से संचालित कई सोशल मीडिया हैंडल्स (खासकर एक्स पर) भ्रामक और झूठे दावों के साथ पोस्ट कर प्रदर्शन को लेकर लगातार अफवाहें फैला रहे थे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी हैंडल से किए गए एक पोस्ट में यह झूठा दावा किया गया कि हिंसा में 7 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है, 391 घायल हुए हैं और 250 लोग गिरफ्तार हुए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, हिंसा भड़काने के मामले में अगर किसी राजनीतिक पार्टी की भूमिका सामने आएगी तो उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज से उपद्रवियों की पहचान करके एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रदर्शन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बताया, लेकिन दिल्ली पुलिस का दावा इसके बिल्कुल उलट रहा। दिल्ली पुलिस ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उसकी एक गाड़ी को शाम 6 बजे के आसपास शांगरी-ला होटल के पास उग्र भीड़ ने निशाना बनाया। वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की गाड़ी पर पथराव करते और हाथों में लाठी-डंडे लिए दिखाई दिए। एक प्रदर्शनकारी डंडे से पुलिस की गाड़ी को तोड़ता दिखा। इस घटना में एक महिला हेड कांस्टेबल के सिर पर गंभीर चोट भी लगी। दिल्ली सेंट्रल रेंज के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस मधुर वर्मा ने कहा, वहां एक गैर-कानूनी भीड़ जमा हुई थी जिससे निपटना जरूरी था। पत्थरबाजी की कुछ घटनाएं हुईं और दिल्ली पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अभिजीत ने खत्म किया अनशन

जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके और आइसा के तीन युवा कार्यकर्ताओं ने अपना अनशन सोमवार को समाप्त कर दिया, लेकिन सैकड़ों प्रदर्शनकारी वहीं डटे रहे। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर की गलियों, कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क और मेट्रो स्टेशनों के बाहर जमा रहे। इस दौरान तोड़फोड़ की भी खबरें सामने आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कनॉट प्लेस की सड़कों पर पत्थर पड़े दिखाई दिए और कुछ जगहों पर भीड़ ने खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। दिल्ली पुलिस ने भी सेंट्रल दिल्ली में पथराव और तोड़फोड़ की पुष्टि की है। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि उनका आगे का प्रदर्शन भी शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

इसी बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगों का ज्ञापन उन्हें सौंपा। सीजेपी के इस प्रतिनिधिमंडल में सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। सीजेपी ने बताया कि जेपी नड्डा ने उनकी मांगों पर सरकार के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने का आश्वासन दिया और थोड़ा समय मांगा। कॉकरोच जनता पार्टी की प्रमुख मांगों में सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपये का मुआवजा देना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से ही हमारी बातचीत जारी रही। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।

सोनम वांगचुक का अनशन जारी

उधर, सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कहा कि जब तक युवा प्रतिनिधियों को संसद में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिलती या सांसद खुद उनसे अस्पताल में मिलने नहीं आते, तब तक वह अपना अनशन जारी रखेंगे। इस मुद्दे की गूंज संसद के भीतर भी जोरदार ढंग से सुनाई दी। मॉनसून सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की कार्यवाही विपक्ष के भारी हंगामे के कारण कई बार स्थगित करनी पड़ी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'देश के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री' बताते हुए गंभीर आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन पर बर्बर कार्रवाई कर रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं- इतने युवा विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक, 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित। और सजा एक दोषी को भी नहीं। सजा किसे मिली? मेहनती युवाओं को। और जब इन बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए- तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत। लीक करने वाले अपराधी आजाद और वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्र घसीटे जाते हैं, पीटे जाते हैं। यह सरकार सिर्फ युवाओं को नाकाम नहीं कर रही- उनपर टूट पड़ी है।

आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग की कड़ी आलोचना ▶10 पर

काला सागर में मिसाइल अटैक 4 भारतीयों समेत 10 की मौत

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां):

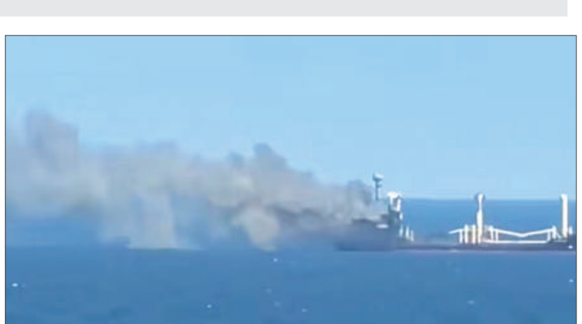

समंदर में एक मालवाहक जहाज पर हुए भीषण हमले में 4 भारतीय क्रू मेंबर्स की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि एक भारतीय गंभीर रूप से घायल हो गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की आधिकारिक जानकारी दी है। यह हमला एमवी गोल्डन लियो नाम के जहाज पर उस समय हुआ, जब वह यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से निकल रहा था। तभी इस पर हमला कर दिया गया। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से निकलते समय एमवी गोल्डन लियो नाम के जहाज पर हमला हुआ। यूक्रेन का दावा है कि यह हमला रूस ने मिसाइलों से किया है। घटना के समय जहाज़ पर कुल 17 क्रू सदस्य मौजूद थे, जिनमें 5 भारतीय नागरिक भी शामिल थे। इनमें से 4 भारतीयों की मौत हो गई है, जबकि एक घायल भारतीय नागरिक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन में स्थित भारतीय मिशन पूरी स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने ▶10 पर

कूटनीति का सिक्का

नेपाल हटाएगा विवादित नक्शा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां):
नेपाल के साथ कूटनीति के मोर्चे पर भारत को एक बड़ी कामयाबी मिली है। नेपाल सरकार अब एक रुपये के नए सिक्के जारी करने जा रही है। इन नए सिक्कों में वह विवादित राजनीतिक मानचित्र नहीं होगा जिसमें लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख को नेपाल अपना हिस्सा बताता रहा है। इसके बदले एक रुपये के इस नए सिक्के पर एक ऐतिहासिक मठ की तस्वीर छापी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि नेपाल का दावा रहा है कि लिपुलेख और कालापानी उसके इलाके हैं, जबकि भारत का स्पष्ट कहना है कि ये क्षेत्र उसके अखंड भूभाग का हिस्सा हैं। मई 2020 में नेपाल की तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार ने कालापानी और लिपुलेख समेत इन इलाकों को अपने आधिकारिक राजनीतिक नक्शे में शामिल किया था। सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को नेपाल के मंत्रिपरिषद ने नेपाल राष्ट्र बैंक को नए डिज़ाइन वाले एक और दो रुपये के सिक्के ढालने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि इस फ़ैसले के तहत एक रुपये के सिक्के से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नए डिज़ाइन वाले एक रुपये के सिक्के में नेपाल के उस विवादित नक्शे (जिसमें लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी शामिल थे) की जगह मुस्तांग के मारंग गांव में स्थित लो घ्याकर मठ की तस्वीर होगी। इस मठ को नेपाल के सबसे पुराने और पवित्र मठों में से एक माना जाता है। हालांकि कैबिनेट सूत्रों के मुताबिक दो रुपये के सिक्के पर पहले से छपा हुआ नक्शा बना ही रहेगा।बैंक के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने बताया कि नेपाल राष्ट्र बैंक ने सिक्कों का आकार और वजन कम करने के लिए पुराने डिज़ाइनों की जगह नए डिज़ाइन का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने बताया कि नए सिक्कों का वजन एक रुपये के सिक्के के लिए पहले के 4 ग्राम से घटकर 3.2 ग्राम और दो रुपये के सिक्के के लिए 5 ग्राम से घटकर 3.8 ग्राम हो जाएगा। ▶10 पर

सिक्किम टनल में भूस्खलन

फंसे 27 मजदूर, रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां):
सिक्किम के नामची जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां निर्माणाधीन टनल के बाहर अचानक भारी भूस्खलन (लैंडस्लाइड) होने से करीब 27 मजदूर अंदर फंस गए हैं। टनल के भीतर जहरीली मीथेन गैस होने की आशंका से हालात और भी ज्यादा मुश्किल हो गए हैं। इसी वजह से राहत और बचाव अभियान की गति भी धीमी पड़ गई है, जबकि गैस के असर से कई बचावकर्मियों की तबीयत बिगड़ने की खबर है। यह हादसा समरदुंग टनल में हुआ। भूस्खलन के बाद टनल का प्रवेश मार्ग मलबे से पूरी तरह बंद हो गया।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, अंदर 27 मजदूर फंसे हुए हैं। इनमें 21 कर्मचारी पटेल इंजीनियरिंग के हैं, जबकि 6 लोग एनएचपीसी से जुड़े बताए गए हैं। प्रशासन ने बताया कि सामरदुंग-मामरिंग टनल में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। नामची के डिप्टी कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक ने हादसे की पुष्टि की है। ▶10 पर

गोल्डन चाँस!

एक्सपर्ट्स - 50% गिरावट तय

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)
सोने को लेकर इन दिनों वैश्विक और घरेलू बाज़ारों में कई तरह की बातें चल रही हैं। एक तरफ जहां ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध गहराता जा रहा है और संकट के समय लोग सुरक्षा के लिहाज से सोने में निवेश करते हैं, वहीं दूसरी तरफ फिलहाल सोने की कीमतों में भारी दबाव देखने को मिल रहा है। सोने का भाव इसी साल जनवरी में 1.91 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था, जो कि इसका ऑल-टाइम हाई (सर्वकालिक उच्च स्तर) है। दरअसल, जनवरी में ऑल-टाइम हाई लगाने के बाद सोना 25 फीसदी से ज्यादा लुढ़क चुका है। फिलहाल 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1.41 लाख रुपये के आसपास बना हुआ है। इस बीच सोने को लेकर तमाम एक्सपर्ट्स बुलिश नजर नहीं आ रहे हैं और कुछ एक्सपर्ट्स बड़ी गिरावट की आशंका जता रहे हैं। ऐसे में निवेशकों को समझ में नहीं आ रहा है कि आगे सोने की चाल कैसी रहने वाली है।दरअसल, क्वाइनकोडेक्स जैसे कुछ टेक-इंडिकेटर्स ने इंटरनेशनल मार्केट में इस साल के अंत तक सोना 2,780 के स्तर तकआनी जनवरी के हाई से लगभग 50% नीचेआने की आशंका जताई है।

▶10 पर

आ गई डेंगू वैक्सीन

बाजार में इस्तेमाल की अनुमति

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)।
भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने ताकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन क्यूडेंगा को बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं। भारत में मिली मंजूरी ताकेदा के वैश्विक क्लीनिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम के आधार पर दी गई है। इसके तहत फेज-ख, फेज-खख और फेज-खखख के कुल 19 क्लीनिकल ट्रायल किए गए, जिनमें 28 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।क्यूडेंगा की दो डोज दी जाती हैं। प्रत्येक डोज 0.5 मिलीलीटर की होती है और त्वचा के नीचे इंजेक्शन के जरिए लगाई जाती है। दोनों डोज के बीच तीन महीने का अंतर रखा जाता है। क्यूडेंगा (टीएके-003) असल में जापानी कंपनी ताकेदा की खोज है, लेकिन मेक इन इंडिया ▶10 पर

क्यों होते है माला में 108 दाने, रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ क्यों

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हम मंत्र जप के लिए जिस माला का उपयोग करते है, उसमें दानों की संख्या 108 होती है। शास्त्रों में 108 संख्या का अत्यधिक महत्व है। इसके पीछे कई धार्मिक, ज्योतिषिक और वैज्ञानिक मान्यताएं हैं, कि माला में 108 ही दाने क्यों होते हैं। आइए हम यहां जानते है ऐसी ही कुछ मान्यताओ के बारे में और जानेंगे आखिर माला का प्रयोग क्यों करना चाहिए मन्त्र जाप के लिए।

हिन्दू ग्रंथों के अनुसार रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। रुद्राक्ष को महादेव का प्रतीक माना गया है। रुद्राक्ष में सूक्ष्म कीटाणुओं का नाश करने की शक्ति भी होती है और रुद्राक्ष वातावरण में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण करके साधक के शरीर में पहुंचा देता है। रुद्राक्ष से अलग यह माला तुलसी, स्फटिक, मोती या नगों से भी बनी होती है। प्राचीन काल से ही बडे-बडे तपस्वी, साधु-संत इस उपाय को अपनाते रहे हैं।

भगवान की पूजा के लिए कुश का आसन बहुत जरूरी है, इसके बाद दान-पुण्य जरूरी है। जब भी मंत्र जप करें, माला का उपयोग अवश्य करना चाहिए। माला के बिना संख्याहीन किए गए मंत्र जप का भी पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। जो भी व्यक्ति माला की मदद से मंत्र जप करता है, उसकी मनोकामनएं बहुत जल्द पूर्ण होती हैं। मंत्र जप निर्धारित संख्या 108 के अनुसार किए जाए तो सर्व श्रेष्ठ रहता है। शास्त्रों के अनुसार एक पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति दिनभर में जितनी बार सांस लेता है, व्यक्ति के सांस से ही माला के दानों की संख्या 108 का संबंध है। सामान्यत: 24 घंटे में एक व्यक्ति करीब 21600 बार सांस लेता है। दिन के 24 घंटों में से 12 घंटे दैनिक कार्यों में व्यतीत हो जाते हैं और शेष 12 घंटों में व्यक्ति सांस लेता है 10800 बार। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति को हर सांस पर यानी पूजन के लिए निर्धारित समय 12 घंटे में 10800 बार ईश्वर का ध्यान करना चाहिए, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता है। इसीलिए 10800 बार सांस लेने की संख्या से अंतिम दो शून्य हटाकर जप के लिए 108 संख्या निर्धारित की गई है। इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

माला के दानों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रहमांड का प्रतिनिधित्व करती है। ज्योतिष के अनुसार सम्पूर्ण ब्रहमांड को 12 भागों (राशियों) में विभाजित किया गया है। इन 12 भागों (राशियों) के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर,कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत: विचरण ग्रहों की संख्या 9 का गुणा 12 राशियों की संख्या में किया जाए तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। ज्योतिष के अनुसार इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

वैज्ञानिक महत्व:

वैज्ञानिकों के अनुसार माला के 108 दाने और सूर्य की कलाओं का गहरा संबंध है। एक वर्ष में सूर्य 216000 कलाएं बदलता है और वर्ष में दो बार अपनी स्थिति भी बदलता है। छह माह उत्तरायण रहता है और छह माह दक्षिणायन। अत: सूर्य छह माह की एक स्थिति में 108000 बार कलाएं बदलता है। इसी संख्या 108000 से अंतिम तीन शून्य हटाकर माला के 108 मोती निर्धारित किए गए हैं। माला का एक-एक दाना सूर्य की एक-एक कला का प्रतीक है। सूर्य ही व्यक्ति को तेजस्वी बनाता है, सूर्य ही एकमात्र साक्षात दिखने वाले देवता हैं, इसी वजह से सूर्य की कलाओं के आधार पर दानों की संख्या 108 निर्धारित की गई है।

षियों के अनुसार

एक अन्य मान्यता के अनुसार ऋषियों ने में माला में 108 दाने रखने के पीछे ज्योतिषी कारण बताया है। शास्त्रों के अनुसार कुल 27 नक्षत्र बताए गए हैं। हर नक्षत्र के 4 चरण होते हैं और 27 नक्षत्रों के कुल चरण 108 ही होते हैं। माला का एक-एक दाना नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्र जप की माला में सबसे ऊपर एक बडा दाना होता है जो कि सुमेरू कहलाता है। सुमेरू से ही जप की संख्या प्रारंभ होती है और यहीं पर खत्म भी। जप का एक चक्र पूर्ण होकर सुमेरू दाने तक पहुंच जाता है तब माला को पलटा लिया जाता है। सुमेरू को कभी भी लांघना नहीं चाहिए। जब भी मंत्र जप पूर्ण करें तो सुमेरू को माथे पर लगाकर नमन करना चाहिए। इससे जप का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

इस तरह के उपाय से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है

लक्ष्मी आगमन के विशेष वास्तु उपचार ।वास्तु शास्त्र का आधार प्रकृति है। आकाश, अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी इन पांच तत्वों को वास्तु-शास्त्र में पंचमहाभूत कहा गया है। शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं। वास्तु शास्त्र पकृति के साथ सामंजस्य एवं समरसता रखकर भवन निर्माण के सिद्धांतों का प्रतिपादन करता है। ये सिद्धांत मनुष्य जीवन से गहरे जुडे हैं। सृष्टिकर्ता परमेश्वर पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), प्रकाश, वायु व आकाश को रचकर, उन्हें संतुलित रखकर संसार को नियमपूर्वक चलाते हैं। मननशील विद्वान लोग उन्हें अपने भीतर जानकर संतुलित हो प्रबल प्रशस्त रहते हैं। इन्हीं पांच संतुलित तत्वों से निवास गृह व कार्य गृह आदि का वातावरण तथा वास्तु शुद्ध व संतुलित होता है, तब प्राणी की प्रगति होती है।

गृह निर्माण इस प्रकार का हो कि सूर्य का प्रकाश सब दिशाओं से आए तथा सब प्रकार से ऋतु अनुकूल हो, ताकि परिवार स्वस्थ रहे। राह चलता राहगीर भी अंदर न झांक पाए, न ही गृह में वास करने वाले बाहर वालों को देख पाएं। ऐसे उत्तम गृह में गृहिणी की निज संतान उत्तम ही उत्तम होती है। वास्तु शास्त्र तथा वास्तु कला का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक आधार वेद और उपवेद हैं।

गृह के मुख्य द्वार को गृहमुख माना जाता है। इसका वास्तु शास्त्र में विशेष महत्व है। यह परिवार व गृहस्वामी की शालीनता, समृद्धि व विद्वत्ता दर्शाता है। इसलिए मुख्य द्वार को हमेशा बाकी द्वारों की अपेक्षा बडा व सुसज्जित रखने की प्रथा रही है। पौराणिक भारतीय संस्कृति के अनुसार इसे कलश, नारियल व पुष्प, केले के पत्र या स्वास्तिक आदि से अथवा उनके चित्रों से सुसज्जित करना चाहिए।

शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुतः ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं।

अथर्ववेद में कहा गया है-
पन्चवाहि वहत्यग्रमेशां प्रष्टयो युक्ता अनु सवहन्त।
अयातमस्य दस्ये नयातं पर नेदियोवर दवीय ॥ 10 /8 ॥

मुख्य द्वार चार भुजाओं की चौखट वाला हो। इसे दहलीज भी कहते हैं। इससे निवास में गंदगी भी कम आती है तथा नकारात्मक ऊर्जाएं प्रवेश नहीं कर पातीं। प्रात: घर का जो भी व्यक्ति मुख्य द्वार खोले, उसे सर्वप्रथम दहलीज पर जल छिडकना चाहिए , ताकि रात में वहां एकत्रित दूषित ऊर्जाएं घुलकर बह जाएं और गृह में प्रवेश न कर पाएं।

गृहिणी को चाहिए कि वह प्रात:

सर्वप्रथम घर की साफ-सफाई करे या कराए। तत्पश्चात स्वयं नहा-धोकर मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर एकदम सामने स्थल पर सामर्थ्य के अनुसार रंगोली बनाए। यह भी नकारात्मक ऊर्जाओं को रोकती है। मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर केसरिया रंग से 9ग9 परिमाण का स्वास्तिक बनाकर लगाएं। मुख्य प्रवेश द्वार को हरे व पीले रंग से रंगना वास्तुसम्मत होता है। खाना बनाना शुरू करने से पहले पाकशाला का साफहोना अति आवश्यक है। रोसोईये को चाहिए कि मंत्र पाठ से ईश्वर को याद करे और कहे कि मेरे हाथ से बना खाना स्वादिष्ट तथा सभी के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक हो। पहली चपाती गाय के, दूसरी पक्षियों के तथा तीसरी कुत्ते के निमित्त बनाए। तदुपरांत परविार का भोजन आदि बनाए।

निवास गृह या कार्यालय में शुद्ध ऊर्जा के संचार हेतुप्रात:

व सायं शंख-ध्वनि करें। गुग्गुल युक्त धूप व अगरवत्ती प्रज्वलित करें तथा क्क का उच्चारण करते हुए समस्त गृह में धूम्र को घुमाएं। प्रात: काल सूर्य को अर्य देकर सूर्य नमस्कार अवश्य करें। यदि परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनकूल रहेगा, तो गृह का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। ध्यान रखें, आईने व झरोखों के शीशों पर धूल नहीं रहे। उन्हें प्रतिदिन साफरखें। गृह की उत्तर दिशा में विभूषक फव्वारा या मछली कुंड रखें। इससे परिवार में समृद्धि की वृद्धि होती है।

मोहिनी के पुत्र हैं भगवान अय्यप्पा

श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया था। उन्होंने यह अवतार तब लिया, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला था। और देवताओं और दानवों में यह वितरित करना था। हालांकि मोहिनी अवतार में श्रीहरि ने छल से देवताओं को अमृत और दानवों को अन्य द्रव्य पिलाया था। पौराणिक मतानुसार दरअसल विष्णु जी के मोहनी रूप को ही अय्यप्पा की मां माना जाता है।

श्रीहरि का मोहिनी रूप काफी आकर्षक था। उन्होंने यह रूप लोककल्याण के लिए लिया था। इस रूप में श्रीहरि एक बहुत सुंदर युवा स्त्री के रूप में प्रकट हुए थे। अग्नि पुराण 3.12 में वर्णित है कि अमृत वितरण के लिए श्रीहरि यानी विष्णु जी द्वारा मोहिनी रूप धारण किया गया। और इसी समय भगवान शिव मोहिनी रूप पर आसक्त होकर स्लखित हो गए थे। किंवदंती है कि जहां शिव स्खलित हुए वह स्थान गंगोत्री था। दरअसल यह तत्व ही अमुल्य पारद तत्व है। गंगाजल के कण-कण में पारद है। हिंदू शास्त्रानुसार यह पारद ही है जो संपूर्ण जगत के सृर्जन का मूलाधार है क्योंकि यह संसार आदि शक्ति के रज अर्थात गंधक और शिव की वीर्य अर्थात पारद से बना है।

इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी कहते हैं। धर्मशास्त्रों के अनुसार यह तिथि सब पापों को हरने वाली और उत्तम है ।इस दिन जो व्रत रहता है उसके व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल तथा पापों से छुटकारा पा जाते हैं।

इसकी विधि -

जो व्यक्ति मोहिनी एकादशी का व्रत करे, उसे एकदिन पूर्व अर्थात दशमी तिथि की रात्रि से ही व्रत के नियमों का पालन करना चाहिए। व्रत के दिन एकादशी तिथि में व्रती को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और नित्य कर्म कर शुद्ध जल से स्नान करना चाहिए। स्नान के लिये किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल मिलना श्रेष्ठ होता है। अगर यह संभव न हों तो घर में ही जल से स्नान करना चाहिए। स्नान करने के

लिये कुश और तिल के लेप का प्रयोग करना चाहिए। स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इस दिन भगवान श्रीविष्णु के साथ-साथ भगवान श्रीराम की पूजा भी की जाती है। व्रत का संकल्प लेने के बाद ही इस व्रत को शुरु किया जाता है। संकल्प लेने के लिये इन दोनों देवों के समक्ष संकल्प लिया जाता है। देवों का पूजन करने के लिये कलश स्थापना कर, उसके ऊपर लाल रंग का वस्त्र बांध कर पहले कलश का पूजन किया जाता है।

इसके बाद इसके ऊपर भगवान कि तस्वीर या प्रतिमा रखें तत्पश्चात भगवान की प्रतिमा को स्नानादि से शुद्ध कर उत्तम वस्त्र पहनाना चाहिए। फिर धूप, दीप से आरती उतारनी चाहिए और मीठे फलों का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद प्रसाद वितरीत कर ब्राहमणों को भोजन तथा दान दक्षिणा देनी चाहिए। रात्रि में भगवान का कीर्तन करते हुए मूर्ति के समीप ही शयन करना चाहिए। इस एकादशी का व्रत रखने वाले को अपना मन साफरखना चाहिए। प्रात: काल सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें। इसके बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु की मूर्ति अथवा तस्वीर के सामने घी का दीपक जलाएं और तुलसी, फल, तिल सहित भगवान की पूजा करें। व्रत रखने वाले को स्वयं तुलसी पत्ता नहीं तोडना चाहिए। किसी के प्रति मन में द्वेष की भावना न लाएं और न ही किसी की निंदा करें। व्रत रखने वाले को पूरे दिन निराहार रहना चाहिए। शाम में पूजा के बाद चाहें तो फलाहार कर सकते हैं। एकादशी के दिन रात्रि जागरण का बडा महत्व है। संभव हो तो रात में जागकर भगवान का भजन कीर्तन करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को ब्राहमण को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

मोहिनी एकादशी व्रत की कथा

भद्रावती नाम की सुंदर नगरी थी। वहां के राजा धृतिमान थे। इनके नगर में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से परिपूर्ण था। वह सदा पुण्य कर्म में ही लगा रहता था। उसके पांच पुत्र थे। इनमें सबसे छोटा धृष्टबुद्धि था। वह पाप कर्मों में अपने पिता का धन लुटाता रहता था। एक दिन वह नगर वधू के गले में बांह डाले चौराहे पर घूमता देखा गया। इससे नाराज होकर पिता ने उसे घर से निकाल दिया तथा बंधु-बांधवों ने भी उसका परित्याग कर दिया। अब वह दिन-रात दु:ख और शोक में डूब कर इधर-उधर भटकने लगा। एक दिन किसी पुण्य के प्रभाव से महर्षि कौण्डिल्य के आश्रम पर जा पहुंचा। वैशाख का महीना था। कौण्डिल्य गंगा में स्नान करके आए थे। धृष्टबुद्धि शोक के भार से पीडित हो मुनिवर कौण्डिल्य के पास गया और हाथ जोडकर बोला, ''ब्राहमण ! द्विजश्रेष्ठ ! मुझ पर दया करके कोई ऐसा व्रत बताएं जिसके पुण्य के प्रभाव से मेरी मुक्ति हो।'

कौण्डिल्य बोले:

वैशाख मास के शुक्लपक्ष में 'मोहिनी' नाम से प्रसिद्ध एकादशी का व्रत करो। इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। धृष्टबुद्धि ने ऋषि की बताई विधि के अनुसार व्रत किया। जिससे वह निष्पाप हो गया और दिव्य देह धारण कर श्री विष्णुधाम को चला गया।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

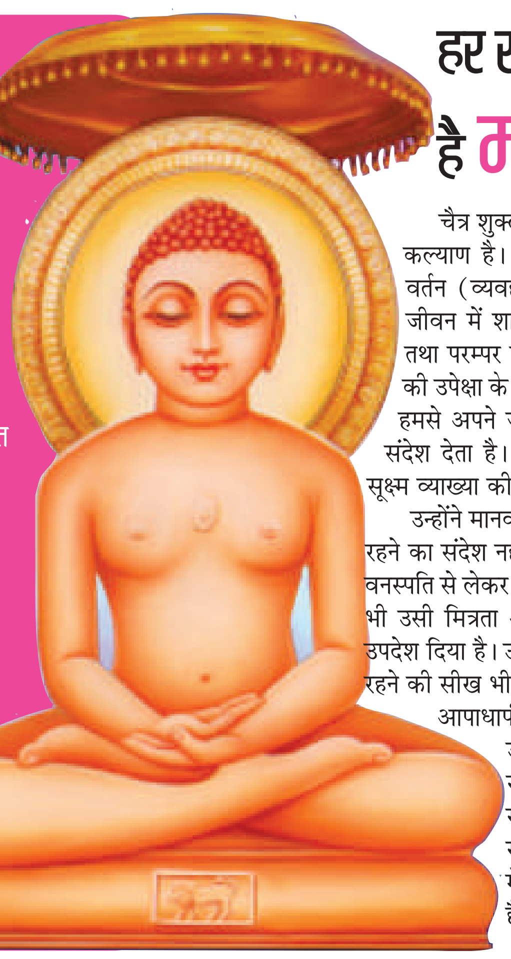

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

ग्रेजुएशन बाद ये कोर्सेज दे सकते हैं करियर को नई दिशा

ग्रेजुएशन के बाद छात्रों को अक्सर इस बात की चिंता सताने लगती है कि उच्च शिक्षा के लिए वो कौन सा कोर्स करें, जो उनके करियर को नयी दिशा दे सके।लेकिं न ग्रेजुएशन के बाद होने वाले कोर्सेस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती। लेकिन, अब छात्रों को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि एम.ए, एम.कॉम और एम,एस.सी से कुछ हॉट के कोर्सेस के बारे में बताने जा रहे हैं जो करियर के चुनाव में मददगार साबित हो सकती है।

बी एस सी के बाद क्या करें

बीएससी के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए अनेक विकल्प चुन सकते हैं या फिर सीधे किसी जॉब में लगकर अपने अनुभव और प्रतिभा के बल पर आगे बढ सकते हैं। बीएससी मात्र फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, बायोलॉजी तक सीमित नहीं है।अनेक अप्लाइड साइंस सब्जेक्ट्स में बीएससी करके अपने करियर की राह आसान कर सकते हैं। बीएससी के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हैं, तो यह जरूरी नहीं कि आप एमएससी ही करें। आप एमबीए करके मैनेजमेंट के क्षेत्र में, एमसीए करके आईटी के क्षेत्र में, बीएड करके एजुकेशन के क्षेत्र में जा सकते है। तो कोई स्किल-बेस्ड शॉर्ट-टर्म टेक्निकल कोर्स भी कर सकते हैं, जैसे एसएपी, जावा, एसक्यूएल, फाइनेंशियल अकाउंटिंग।

बी ए के बाद क्या करें

जिसने बीए विषयों में ग्रेजुएशन किया है। किसी एक विषय में एमए कर सकते हैं। इसके अलावा बीएड, एमबीए, लॉ, हॉटेल मैनेजमेंट या टूरिज्म मैनेजमेंट जैसे डिग्री कोर्सेस कर सकते हैं।वहीं फिल्म मेकिंग, मास कम्यूनिकेशन, एनिमेशन, फैशन, हेयर स्टाइलिस्ट, ब्यूटीशियन, पीजीडीसीए जैसे डिप्लोमा कोर्सेज भी कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ आर्ट्स के बाद अंग्रेजी साहित्य, दर्शन शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएशन करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है।बी.ए करने के बाद एमए साइकोलॉजी करके मेडिकल और हेल्थ केयर क्षेत्र में साइकोलॉजिस्ट बन सकते है।फाइन आर्ट क्रिएटिव फिल्ड पेंटिंग या स्कल्पचर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।ऑर्कोलॉजी के कोर्स भी कई अच्छी यूनिवर्सिटीज करवाती हैं। एम इन ऑर्कोलॉजी भी करियर का अच्छा विकल्प हो सकता है।सिविल सर्विसेस, जर्नलिज्म, फॉरेन लैंग्वेज, अनुवादक (हिंदी-इंग्लिश ट्रांसलेटर्स), लाइब्रेरी या इंफोर्मेशन साइंस के कोर्सेस भी कर सकते हैं।

बी कॉम के बाद क्या करें

बीकॉम के बाद वही कोर्स करना चाहिए जिसमें अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। अगर कॉर्पोरेट सेक्टर में जॉब करना चाहते हैं तो एमबीए करना चाहिए। अगर टीचर बनना चाहते हैं बीकॉम के बाद आप बीएड कर सकते हैं। आप एमकॉम, एमफिल, पीएचडी कर लेते हैं और साथ ही नेट कालिफाई कर लेते हैं। तो आप बतौर लेचरर नियुक्त हो सकते हैं।आप इनकम टैक्स ऑफिसर, सीएस, सीए, आईसीडब्लूए, कॉस्ट एकाउंट जैसे कोर्सेस भी कर सकते हैं। इसके अलावा बैंक पीओ, डिफेंस और रेलवे में नौकरी के लिए भी एप्लाई कर सकते हैं।

इंटरनेट के इस्तेमाल से ऐसे कर सकते है घर बैठें अर्निंग

हम में बहुत सारे लोग ऐसे होगें जिन्हें ऑफिस में बैठ कर काम करना बिल्कुल नहीं पसंद होता लेकिन फिर भी मजबूरी के चलते ऑफिस में बैठ कर काम करना पड़ता हैं। लेकिन हम में से हर किसी में कोई न कोई टैलंट होता ही है। किसी को फोटोग्राफी पसंद होती है तो कोई कुकिंग, वेब प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग जैसे प्रोफेशन में परफेक्ट होता है लेकिन कई बार इसके लिए सही प्लेटफॉर्म और कीमत नहीं मिल पाती है। लेकिन अगर आपके पास यह टैलेट हैं तो यह खबर आफके काम की हो सकती हैं। क्योंकि इंटरनेट की दुनिया में आपके इस टैलेंट के कद्रदानों की कमी नहीं है। अगर आपके पास इस तरह का कोई खास टैलेंट है तो ऑनलाइन मार्केट में कई प्लेटफॉर्म आपका इंतजार कर रहे हैं। जिसके जरिए घर बैठे आप लाखों रुपए कमा सकते हैं। इतनी कमाई शायद ऑफिस में 8-10 घंटे बिताने के बाद भी न कर सकें। दिलचस्प बात यह है कि ऐसा करने के लिए आपको किसी तरह के खर्च या इन्वेस्टमेंट की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसे ही वेबसाइट्स के बारे में बताते हैं जिसके जरिए आप अपने टैलेंट को दुनिया तक पहुंचा सकते हैं।

फोटोमूला : अगर आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं तो फोटोमूला के साथ जुड़कर पैसे कमा सकते हैं। फोटोमूला एक ऐसा प्लेटफार्म है, जो फोटो खींचने वालों को फोटो के खरीददारों से मिलाता है। यहां पर मिलने वाली हर तस्वीर का कमर्शियल इस्तेमाल होता है। इसके लिए खरीददार द्वारा फोटोग्राफर को भुगतान तो किया ही जाता है साथ ही फोटोमूला को भी कमीशन मिलता है। इस वक्त फोटोमूला कई बड़ी एफएमसीजी कंपनियों और कई बड़ी एडवरटाइजिंग एजेंसियों के लिए काम कर रही है। फोटोमूला के साथ एशिया और यूरोप के हजारों फोटोग्राफर जुड़े हैं। इससे जुड़ने के लिए photo-moolah.com पर जाकर आपको अपना अकाउंट बनाकर अपनी तस्वीरें अपलोड करनी होंगी।

यूडेमाई : अगर आप कुकिंग, पोट्री, क्रॉफ्ट, स्केचिंग या फिर म्यूजिक, वेब प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग जैसे प्रोफेशन के अच्छे जानकार हैं तो यूडेमाई से जुड़ सकते हैं। यूडेमाई एक ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म है। इस पर आप अपना वर्चुअल क्लासरूम शुरू कर सकते हैं। इस सर्विस की पहुंच करीब 14 लाख स्टूडेंटस तक है। हर माह करीब पांच लाख स्टूडेंट इस साइट पर विजिट करते हैं। इस पर 42 हजार से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। इससे जुड़ने के लिए आपको अपना अकांउट बनाकर अपने कोर्स को सेलेक्ट करना होगा। इसमें कम से कम 30 मिनट की क्लास को अपलोड करना होगा। कोशिश ये होनी चाहिए कि इस क्लास में 60 फीसदी वीडियो अपलोड हों।

ऐसे होती है कमाई : यहां आप अपना कोर्स अपलोड करते हैं तो इससे जुड़े स्टूडेंट इसे खरीदते हैं। इसके लिए वह साइट को भुगतान भी करते हैं। इसके बाद साइट फिर आपके अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर देती है। कंपनी से स्टूडेंट जिस रेट पर को खरीदते हैं उसका सौ फीसदी पेमेंट ऑनर को लौटा देती है। teach.udemy.com पर इसकी डिटेल उपलब्ध हैं।

टूर्स बाय लोकल : http:www.toursbylocals.com यह वेबसाइट पर्यटकों के लिए स्थालनीय गाइड उपलब्ध कराती है। अगर आपको लगता है कि आप अपने शहर की ऐतिहासिक स्थलों के बारे में सबकुछ जानते हैं तो इस वेबसाइट पर खुद को रजिस्टर्ड करें। इसके लिए आपको लोकल लैंग्वेज के अलावा इंग्लिश जानना भी जरूरी है। इससे 155 देशों के करीब 2000 गाइड जुड़े हैं। पर्यटक आपको काम के बाद खुद पेमेंट करेंगे।

फ्रीलांसर : यह ऐसी जगह है जहां आप अपनी डिजाइन, फोटो, टैंपलेट, ग्राफिक, लोगो, फॉन्ट, वर्डप्रेस थीम को घर बैठे बेच सकते हैं। वहीं फांटेरो पर आप अपना ऑडियो, वीडियो, साउंड इफेक्ट आदि बेच सकते हैं। यहां काम के हिसाब से दाम मिलता है।

ऑनलाइन राइटिंग जॉब : यह जॉब ऐसे लोगों के लिए है जिन्हें लिखने में इंटरेस्ट है। ऑनलाइन राइटिंग जॉब इसलिए मशहूर हो रही हैं क्योंकि इंटरनेट पर हर वेबसाइट को रेग्युलर कॉन्टेंट को अपडेट करने की जरूरत होती है। आप 250 से 1000 रुपए तक इस जॉब से कमा सकते हैं। Fiverr, Elance, Freelancer.com के जरिए आप ढेरों राइटिंग जॉब्स पा सकते हैं।

ज्यादा फायदे वाले करियर ऑप्शंस...

साल 2017 शुरू हो चुका है और कई सारे युवा इस साल अपने करियर का चुनाव करने वाले हैं। करियर ऑप्शन तो आपके पास भी ढेर सारे होंगे लेकिन क्या आप ये नहीं जानना चाहेंगे कि आने वाले सालों में कौन से ऐसे करियर ऑप्शन हैं जिन्हें चुनने पर आप पैसे और ग्रोथ दोनों के मामले में फायदे में रहने वाले हैं। लीक से हटकर कई ऐसे नए करियर ऑप्शन भी हैं जहां सैलेरी तो खूब मिलती ही है लेकिन काम भी मजेदार है। आज हम आपको ऐसे ही पांच करियर ऑप्शन के बारे में बता रहा है...

सोशल मीडिया मैनेजर

आजकल जिस तरह सोशल मीडिया पर बिजनेस और लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है ऐसे में ये करियर आने वाले दिनों में सबसे ज्यादा ग्रोथ दे सकता है। हर कंपनी सोशल मीडिया के जरिए अपना प्रचार करना चाहती है और इसके लिए योग्य लोगों को हायर करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रचार करने वाली इस टीम को जो हैंडल करता है उसे ही सोशल मीडिया मैनेजर कहते हैं। इसका काम कंपनी के लिए बेहद अहम् है और यही काम सोशल मीडिया पर कंपनी की प्रेजेंस और रेपुटेशन बनाने का काम करता है।

क्वालिफिकेशः कम से कम ग्रेज्युएट

संभावित सैलरीः 30 हजार से 3 लाख रुपए तक प्रति माह

रिलेशनशिप थेरेपिस्ट

विदेशों में ये करियर करीब 5 साल पहले से ही काफी चलन में आ गया था। भारत में भी अब रिलेशनशिप थेरेपिस्ट की जरूरत महसूस कि जाने लगी है। जैसे-जैसे पति-पत्नी या कपल आने करियर और काम के बोझ से दबते जाते हैं उनका रिलेशनशिप इसके प्रभाव में आने लगता है। इससे कई तरह के झगड़े और गलतफहमियां पैदा होती हैं जिन्हें सुलझाने का काम ये रिलेशनशिप थेरेपिस्ट करते हैं। इस जॉब का मकसद कपल्स के रिलेशनशिप को बेहतर तरीके से चलाने के लिए टिप्स देने का होता है।

क्वालिफिकेशः कम से कम ग्रेज्युएट

संभावित सैलरीः 30 हजार से 1 लाख रुपए तक प्रति माह

ऐप डेवलपर

सोशल मीडिया के आलावा जिस सेक्टर में सबसे ज्यादा नौकरियां पैदा हो रहीं हैं वो है टेक। इसी सेक्टर के अंदर आने वाली ऐप डेवलपर जॉब भी आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकती है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की आज सुदूर इलाकों में भी पहुंच होती जा रही है ऐसे में हर कंपनी अपना ऐप बनवाना चाहती है। ऐसे में अगर आप ऐप डेवलपर बनने की सोच रहे हैं तो ये एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है।

क्वालिफिकेशनः कम से कम ग्रेजुएट और ऐप डेवलपमेंट कोर्स

संभावित सैलरीः 50 हजार से 5 लाख रुपए तक प्रति माह

एसईओ एनालिस्ट

सोशल मीडिया की ग्रोथ के साथ-साथ जो करियर बेहद तेजी से आगे बढ़ा है वो है एसईओ जिसका पूरा नाम है सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन। किसी भी वेबसाइट या ब्लॉग की सफलता के लिए एसईओ एक बेहद जरूरी फैक्टर है। एसईओ आपको गूगल या याहू के सर्च में पहले पेज पर रैंक कराते हैं।

क्वालिफिकेशः कम से कम ग्रेज्युएट, एसईओ का कोर्स

संभावित सैलरीः 30 हजार से 1 लाख रुपए तक प्रति माह

टेक्निकल राइटर

वैसे तो टेक्निकल राइटर काम भी लिखना होता है लेकिन इनका फोकस आईटी फर्म और उनकी टेक्नोलॉजी से जुड़ा होता है या फिर वह प्रोग्रामिंग कंपनी के लिए काम करते हैं। टेक्निकल राइटर के लिए एडॉब, ऑरकल और इससे जुड़े ब्रांड की जानकारी रहनी बेहद जरूरी है।

क्वालिफिकेशः कम से कम ग्रेज्युएट, प्रोग्रामिंग की जानकारी

संभावित सैलरीः 50 हजार से 1.7 लाख रुपए तक प्रति माह

माइनिंग सेक्टर में करियर बना कमा सकते हैं लाखों

खनन भारत के सबसे मुख्य और जीडीपी में मोटे योगदान वाले सेक्टर के तौर पर जाना जाता है। यह 88 खनिजों का उत्पादन करता है जिनमें से 4 ईंधन वाले, 10 धातु वाले, 50 गैर-धातु और 24 छोटे खनिज शामिल हैं। सर्वे करने वाली संस्था मकिंजी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारतीय माइनिंग सेक्टर में 60 लाख नए रोजगार आने की संभावना है। इसके अलावा यह सेक्टर साल 2025 तक देश की जीडीपी में तकरीबन 4700 करोड़ डॉलर का योगदान दे रहा होगा। इसलिए वे युवा जो अभी करियर तय करने की कगार पर हैं। उनके लिए यकीनन यह फील्ड बढ़िया साबित होगी क्योंकि जितने समय वे इस फील्ड का कोर्स करके तैयार होंगे, लगभग उतने ही समय में यह क्षेत्र रोजगार की नई खेप के साथ खड़ा होगा। आइए हम आपको बताते है कि कैसे आप इस फील्ड में करियर बना अच्छी सैलरी पा सकते हैं।

इसलिए मिलेगी नौकरी

भारत छठा सबसे बड़ा लौह अयस्क का उत्पादन करने वाला और पांचवां बॉक्साइट अयस्क उत्पादक देश है। इसके पास 302 बिलियन कोयले का रिजर्व और 3000 से ज्यादा ऑपरेशनल माइंस हैं। इन अयस्कों की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगले पंद्रह वर्षों में अयस्कों की डिमांड बढ़ कर दोगुनी हो जाएगी। जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के अनुसार, देश में करीब 31.4 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खनिज उपलब्ध हैं। इनमें से करीब 5.71 लाख वर्ग किलोमीटर की पहचान गैर-ईंधन और गैर-कोयला खनिज उत्पादक क्षेत्र के तौर पर की गई है। वर्तमान में करीब 4550 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को लीज पर माइनिंग के लिए दिया गया है।

माइनिंग की पढ़ाई

माइनिंग की फील्ड को मिनरल फील्ड भी कहते हैं। इसमें उन तकनीक और तरीकों की पढ़ाई होती है जिनसे कई धातुओं के अयस्क खनन के जरिए इकट्ठा किए जाते हैं। इसमें धातु, नॉन मेटलिक, मार्बल्स, सॉलिड फ्यूल (कोयला आदि), चूना पत्थर (सीमेंट के लिए), ऊर्जा स्रोत और न्यूक्लियर मटीरियल शामिल रहते हैं। अयस्क हासिल करने में कई चरण की प्रक्रिया शामिल रहती है। इसमें उसे ढूंढना, वहां माइनिंग की संभावनाओं को चेक करना, माइनिंग से होने वाले मुनाफे का अंदाजा लगाना, क्षेत्र को मानिंग के लिए डिवेलप करना, माइनिंग करना, अयस्क से धातु का उत्पादन करना और मार्केटिंग करने तक की प्रक्रिया शामिल होती हैं। इसमें माइनिंग वाले बंदे को वैज्ञानिक तकनीकों और टेक्नॉलजी की मदद से ये काम करने होते हैं। किसी भी अन्य सेक्टर्स के मुकाबले माइनिंग में कैंडिडेट का भविष्य ज्यादा उज्जवल है। इसलिए अगर आप 12वीं बाद इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं तो इस क्षेत्र में करियर बनाना भविष्य के लिए बढ़िया साबित होगा।

अच्छी सैलरी का क्षेत्र

सैलरी के मामले में यह सेक्टर बहुत अच्छा है। वह इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में काम बहुत है और लोग कम। इस क्षेत्र में शुरुआत ही कम से कम 25 हजार रुपये महीने से होती है। दो साल की सर्विस होते-होते सालाना सैलरी 7 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। इसमें माइनिंग कंपनी और कैंडिडेट, दोनों की परफॉर्मेंस अहमियत रखती हैं। माइनिंग के कोर सेक्टर में सैलरी पैकेज ज्यादा मिलता है क्योंकि उसमें फील्ड जॉब होती है। कोर सेक्टर में कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनी लेवल पर कैंडिडेट को लेती हैं और एक साल की ट्रेनिंग के बाद उन्हें मैनेजर पद पर प्रमोट कर देती हैं। दूसरा हिस्सा माइनिंग लॉज, सेफ्टी और अन्य जरुरतों का होता है।

कोर्सेज

बीटेक/एमटेक इन माइनिंग इंजिनियरिंग, पीजी डिप्लोमा इन मिनरल इंजिनियरिंग, डिप्लोमा इन माइनिंग ऐंड माइन सर्वेइंग इंजिनियरिंग, पीएचडी इन माइनिंग इंजिनियरिंग/माइनिंग ऐंड मिनरल इंजिनियरिंग, माइन ऐंड क्वैरी इंजिनियरिंग, सिविल इंजिनियरिंग, मिनरल सर्वेइंग और जियॉलजी डिग्री ।

ये कंपनियां देती हैं नौकरियां

कोल इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील, रियो टिनटो, वाइजैग स्टील, मोनेट इस्पात, वेदांता, एचजेडएल, एचसीएल, इलेक्ट्रोस्टील, द इंडियन ब्यूरो ऑफ माइनिंग, जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, आईपीसीएल, नालको, अडानी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड।

ट्रेनिंग से मिलेंगे आगे बढ़ने के मौके...

नई तकनीक सीखनी हो या ग्राहक की जरूरतें बेहतर तरीके से समझनी हों, नई जिम्मेदारियों के लिए अपनी स्किल्स अपग्रेड करनी हों या अपने कमजोर पक्षों को मजबूत करना हो, प्रोफेशनल ट्रेनिंग से आप बहुत कम समय में अपनी कार्यकुशलता बड़ा सकते हैं और मजबूती के साथ आगे ब? सकते हैं। लर्निंग से जुड़े एक ताजा सर्वे में पाया गया कि बेहतर स्किल्स वाले प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार की संभावनाएं कहीं बेहतर हैं। इस सर्वे के अनुसार सीखने के लिए तत्पर रहने वाले प्रोफेशनल्स कार्यस्थल के बदलावों के हिसाब से खुद को ढालने में सक्षम होते हैं और बड़त बनाए रखते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स से नियोक्ता भी आकर्षित होते हैं। कंपनियां कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग कराती हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ये ट्रेनिंग आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप हों। इसलिए अपनी जरूरतों का आकलन करें। अपने मैनेजर या किसी भरोसेमंद सहकर्मी से बातचीत कर आप कामकाज से जड़े कमजोर पहलुओं की पहचान करें और इसी के अनुसार ट्रेनिंग की रणनीति तैयार करें। ट्रेनिंग दो तरह से हासिल की जा सकती है—एक है ऑन दि जॉब ट्रेनिंग (ऑफिस में दी जाने वाली ट्रेनिंग) और दूसरी, ऑफ दि जॉब ट्रेनिंग (ऑफिस से बाहर होने वाली ट्रेनिंग)।

ऑन दि जॉब ट्रेनिंग

यह ट्रेनिंग ऑफिस की तरफ से दी जाती है। इसमें आप ऑफिस के माहौल में नई चीजें सीखते हैं। इस ट्रेनिंग से आपका दृष्टिकोण व्यापक होता है, कार्यक्षमता बड़ती है और आपमें दूरदर्शिता आती है। चूंकि यह पूरी तरह प्रैक्टिकल होती है, इसलिए इससे आप कई तरह की स्किल्स विकसित कर सकते हैं। आजकल कई संस्थानों में ट्रेनिंग कैलेंडर भी प्रचलित हैं, जिसमें अपनी जरूरत के अनुसार ट्रेनिंग के लिए साइन-अप कर सकते हैं।

ऑफ दि जॉब ट्रेनिंग

यह ट्रेनिंग कार्य स्थल से बाहर दी जाती है।

हालांकि यह ट्रेनिंग ऑफिस की तरफ से दी जाती है और आप स्वतंत्र रूप से भी ऐसी ट्रेनिंग ले सकते हैं। इस ट्रेनिंग के दौरान काम का तनाव नहीं होता और आप बेहतर तरीके से नई चीजें सीखने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। एक प्रतिष्ठित कंपनी में सीनियर एचआर मैनेजर रह चुकीं शैला सिंह बताती हैं, 'स्वतंत्र ट्रेनिंग आप अपनी सहूलियत से ले सकते हैं। इसमें आप अपनी प्लानिंग के अनुसार सॉफ्ट स्किल्स, मैनेजेरियल स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, प्रजेंटेशन स्किल्स और काम से जुड़ी विशिष्ट ट्रेनिंग ले सकते हैं।'

इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन स्किल्स ट्रेनिंग

समूह में काम करने के दौरान जब मुश्किल आती है तो अकसर शांत रहने वाले लोगों के संवाद स्पष्ट नहीं होते, वहीं कुछ इतना हावी हो जाते हैं कि अन्य सहकर्मी सहज भाव से काम करने में परेशानी महसूस करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इंटरपर्सनल स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें लोगों के हाव-भाव को समझते हुए खुद को प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करना सिखाया जाता है।

फीचर एडवांटेज ट्रेनिंग

कई बार उपभोक्ताओं को किसी प्रोडक्ट की कीमत ज्यादा लगती है। ऐसे में उन्हें प्रोडक्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने से जु?ी ट्रेनिंग है एफएबी। इसके तहत सेल्स से जु? लोगों को बताया जाता है कि वे महंगे प्रोडक्ट्स के फ ीचर्स को कैसे आकर्षक तरीके से पेश करें।

टेक्निकल स्किल्स ट्रेनिंग

तकनीक में होने वाले बदलावों के साथ सामंजस्य बिठाने के लिए आपको निरंतर ट्रेनिंग की जरूरत होती है। मसलन, अगर आपने सी प्लसप्लस में ट्रेनिंग ली है तो उसके नए संस्करण की जानकारी जरूरी है। ऐसी ट्रेनिंग में सॉफ्टवेयर अपडेट या ऑफिस के नए इक्विपमेंट्स के इस्तेमाल जैसी चीजें बताई जाती हैं।

कॉनफ्लिक्ट मैनेजमेंट ट्रेनिंग

कंपनी के अलग-अलग विभागों में सामंजस्य होने पर काम सुगम तरीके से हो पाता है, लेकिन कई बार विभागों में गतिरोध होने पर मुश्किलें पैदा होती हैं। मसलन, किसी प्रोजेक्ट को लेकर फाइनेंस और मार्केटिंग विभाग एक दूसरे के विपरीत खड़े नजर आते हैं। मार्केटिंग वाले कंपनी के विस्तार के लिए बड़े बजट की मांग करते हैं, वहीं फाइनेंस वालों को यह फिजूलखर्ची लगती है। ऐसे में सामंजस्य बनाना और सबके हित साथ लेकर चलना सिखाया जाता है।

ई-मेल ट्रेनिंग

चाहे आप मैनेजर हों या बिजनेस लीडर या इससे इतर काम संभालते हों, प्रोजेक्ट मीटिंग, ट्रबल शूटिंग, क्राइसिस मैनेजमेंट, सेल्स कॉल, कस्टमर सर्विस और कॉन्ट्रेक्ट नेगोशिएशन आदि के लिए आपको रोजाना ई-मेल करने की जरूरत होती है। ऐसे में सरल, स्पष्ट, त्रुटिविहीन और प्रभावी ई-मेल करने की ट्रेनिंग लेना बेहद आवश्यक है। इससे आप अन्य प्रोफेशनल्स से बेहतर संवाद स्थापित कर पाते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजमेंट ट्रेनिंग

कंपनियों की छवि बहुत हद तक सोशल मीडिया में होने वाली चर्चा पर निर्भर करती है। ऐसे में कंपनी की साख बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया हैंडल करने, नकारात्मक टिप्पणियों से बचने और संवेदनशील जानकारियां गोपनीय रखने का तरीका सिखाया जाता है।

इमेज मैनेजमेंट

मैनेजर स्तर के प्रोफेशनल्स के लिए पद के अनुरूप बॉडी लैंग्वेज होना आवश्यक होता है। बड़े ओहदे पर काम कर लोगों से बड़ी अपेक्षाएं भी होती हैं कि वे संजीदगी के साथ समस्याओं का हल निकालेंगे। इसे ध्यान में रखते हुए इमेज मैनेजमेंट ट्रेनिंग के अंतर्गत ड्रेसिंग स्टाइल, हाव-भाव, बोलने के लहजे जैसी बारीक चीजों पर ध्यान देने की ट्रेनिंग दी जाती है।

स्मार्ट ट्रेनिंग

स्मार्ट यानी 'स्पेसिफिक मेजरेबल एचीवेबल रियलिस्टिक टाइम' की अवधारणा के साथ काम करना। आईटी से जुड़े लोगों को कम समय में बड़े प्रोजेक्ट्स पूरे करने के लिए यह कारगर रणनीति सिखाई जाती है। इसके तहत स्पेसिफिक यानी विशिष्ट लक्ष्यों, मेजरेबल यानी गणना योग्य, एचीवेबल यानी जिन्हें पाना पहुंच के भीतर हो, रियलिस्टिक यानी व्यावहारिक और टाइम यानी समय प्रबंधन जैसे पक्षों पर ध्यान देना सिखाया जाता है। इसके अलावा भी पॉजिटिव थिंकिंग, स्ट्रेस मैनेजमेंट, करियर डेवलपमेंट, नेगोशिएशन टेक्नीक, सेल्स ट्रेनिंग, क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन, क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग जैसी कई तरह की उपयोगी ट्रेनिंग उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसका आप फायदा उठा सकते हैं।

इमोशनल इंटेलिजेंस ट्रेनिंग

मैनेजर जैसे वरिष्ठ पद पर बैठे लोगों को अपने जूनियर्स के साथ उचित व्यवहार करना सिखाया जाता है। कई बार सेल्स टार्गेट हासिल करने के लिए मैनेजर अपने मातहत लोगों के साथ बहुत रूखे तरीके से पेश आते हैं, जिससे काम बिगड़ने की आशंका रहती है। इससे बचाव के लिए इमोशनल इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें भावनाओं पर काबू रखते हुए टार्गेट हासिल करने का हुनर सिखाया जाता है।

टाइम मैनेजमेंट ट्रेनिंग

प्रोजेक्ट्स समयसीमा के भीतर पूरे करने के लिए इस ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण कामों के लिए समय बांटने, शिड्यूलिंग प्रणाली अपनाने, विशेष काम आउटसोर्स करने और तकनीक का प्रभावी उपयोग सिखाया जाता है। इससे आप अपना मूल्यांकन बेहतर तरीके से कर पाते हैं। आप किन कामों में कितना वक्त लगाते हैं, किन कामों को टालते हैं, यह आपको स्पष्ट हो जाता है। साथ ही आपको डेस्क व्यवस्थित रखना भी सिखाया जाता है, ताकि आप न्यूनतम समय में अपने काम की चीजें खोज सकें। रोजमर्रा के कामों और उसके बीच ई-मेल, फोन कॉल आदि से पैदा होने वाली रुकावटों से किस तरह निबटा जाए, इसके लिए भी आपको उपयोगी सुझाव मिलते हैं।

संपादकीय

अंतरिक्ष में 'विक्रम-1'

अंतरिक्ष में भारत के निजी क्षेत्र ने भी प्रवेश कर लिया है। 'विक्रम-1' और 'मिशन आगमन' ने सर्वप्रथम सफलता हासिल की है, जब एक निजी कंपनी के रॉकेट ने अंतरिक्ष तक सफल उड़ान भरी और पृथ्वी की निश्चित कक्षा में स्थापित किया। यह सफल प्रयोग और प्रक्षेपण 'स्काईरूट एयरोस्पेस' नामक निजी कंपनी ने किए हैं। यह पूर्णतः स्वदेशी तकनीक का रॉकेट था, जिसे पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचा कर इस कंपनी के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इतिहास रचा है, अंतरिक्ष को एक बार फिर खंगाला है तथा अनुसंधान को वाकई एक नया आसमान दिया है। अभी तक अंतरिक्ष में प्रक्षेपण का काम 'इसरो' ही करता रहा था, जो एक सरकारी संस्थान है, लिहाजा उसे सरकार एक निश्चित बजट मुहैया कराती रही है। इसरो ने अंतरिक्ष में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, लेकिन निजी क्षेत्र को अनुमति देना और फिर एक निजी कंपनी द्वारा रॉकेट भेजने के संकल्प को साकार करना वाकई अद्भुत, अप्रतिम, अनिर्वचनीय है। अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े रहे विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने या अन्य लक्ष्य प्राप्त करने का बाजार 60,000 से 90,000 करोड़ रुपए का है। जाहिर है कि अवसरों के आसमान खुले हैं और इस क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं भरपूर हैं। 'विक्रम-1' की ऐतिहासिक सफलता तब हासिल की गई है, जब करीब 120 वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इसरो से इस्तीफे दे दिए हैं अथवा वीआरएस ले लिया है। यह विदाई या अलगाव बेहद चिंताजनक माना गया, क्योंकि वे तकनीकी चेहरे भारत के 'चंद्रयान-4' और 'गगनयान' जैसे विराट, दुस्साध्य अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े थे। वे सभी कार्यक्रम अपने अंतिम और निर्णायक चरण में हैं। इस्तीफा देने वाले कई इसरो वैज्ञानिक और इंजीनियर अंतरिक्ष संबंधी स्टार्टअप्स से जुड़ गए। 'विक्रम-1' भेजने वाली 'स्काईरूट एयरोस्पेस' कंपनी की स्थापना भी 2018 में पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी, जिन्होंने इसरो की नौकरी छोड़ी थी और यह स्टार्टअप शुरू किया था। इसरो से कुछ चेहरे विदाई लेते हैं, तो उसे 'राष्ट्रीय क्षति' नहीं मानना चाहिए। वे किसी स्टार्टअप अथवा निजी कंपनी से जुड़ना चाहें, तो इसरो को उन्हें एक निश्चित अवधि तक अनुमति दे देनी चाहिए, ताकि वे अपनी पेशेवर क्षमताओं का विस्तार कर सकें और आर्थिक रूप से अधिक समृद्ध हो सकें। 'विक्रम-1' परोक्ष रूप से इसरो का ही सृजन है, लिहाजा निजी क्षेत्र को भी 'राष्ट्रीय विस्तार' मानना चाहिए, क्योंकि अंतरिक्ष में, अंततः, भारतीय 'तिरंगा' ही जाता है। यह डा. विक्रम साराभाई की ही विरासत है, जिन्होंने इसरो की स्थापना की और अंतरिक्ष कार्यक्रम को शुरू किया। बहरहाल अब तो प्रधानमंत्री मोदी का 'वंदे मातरम' लिखा कार्ड भी अंतरिक्ष तक पहुंच गया है। हमारा सभी का अंतिम लक्ष्य 'भारत' ही है। निजी क्षेत्र की यह अंतरिक्ष-सफलता अमरीका और चीन के बाद भारत ने ही हासिल की है। कितना गर्व और गौरव महसूस होना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी ने ऑडियो संदेश के जरिए 'मिशन आगमन' की टीम को बधाई दी है, राष्ट्र-निर्माण और आत्मनिर्भरता में उनकी भूमिका को सराहा है और प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात का न्यौता दिया है। यह बेहद महत्वपूर्ण शुरुआत है। भारत में भी अंतरिक्ष से जुड़ा एक बाजार खुलेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष में कुछ पेलोड भेजे गए हैं। मसलन-इन ऑर्बिट रोबोटिक आर्म, भविष्य के मिशनों के लिए उपग्रह प्रणालियों का टेस्ट करेगा क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन के लिए टेस्ट सैटेलाइट, पिन पुलर एवं रिलीज नट सैटेलाइट छोडऩे के मैकेनिज्म के प्रभाव जांचेगा और 32 हीरों से बना कमल। भारत के दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में कुछ दिन बिता कर अध्ययन कर चुके हैं। शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय रहे, जो करीब 18 दिन तक अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर रहे और 'तिरंगा' लहराते रहे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण और जीवनोपयोगी प्रयोग भी किए हैं। उनके परिणाम सामने आएंगे, तो दुनिया चौंक सकती है। संभवतः वह 'गगनयान' में भी अपना योगदान देंगे। एक साथ 100 से अधिक उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने का कीर्तिमान भी भारत के नाम है। उम्मीद है कि एक दिन भारत 'अंतरिक्ष महाशक्ति' भी बन सकता है। इस तरह की गतिविधियों के लिए सरकार को बजट की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी चाहिए। बजट को बढ़ाने पर सरकार को विचार करना चाहिए।

> 'विक्रम-1' और 'मिशन आगमन' ने सर्वप्रथम सफलता हासिल की है, जब एक निजी कंपनी के रॉकेट ने अंतरिक्ष तक सफल उड़ान भरी और पृथ्वी की निश्चित कक्षा में स्थापित किया। यह सफल प्रयोग और प्रक्षेपण 'स्काईरूट एयरोस्पेस' नामक निजी कंपनी ने किए हैं। यह पूर्णतः स्वदेशी तकनीक का रॉकेट था, जिसे पृथ्वी की कक्षा तक पहुंचा कर इस कंपनी के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने इतिहास रचा है, अंतरिक्ष को एक बार फिर खंगाला है तथा अनुसंधान को वाकई एक नया आसमान दिया है। अभी तक अंतरिक्ष में प्रक्षेपण का काम 'इसरो' ही करता रहा था, जो एक सरकारी संस्थान है, लिहाजा उसे सरकार एक निश्चित बजट मुहैया कराती रही है। इसरो ने अंतरिक्ष में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, लेकिन निजी क्षेत्र को अनुमति देना और फिर एक निजी कंपनी द्वारा रॉकेट भेजने के संकल्प को साकार करना वाकई अद्भुत, अप्रतिम, अनिर्वचनीय है। अंतरिक्ष कार्यक्रमों से जुड़े रहे विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने या अन्य लक्ष्य प्राप्त करने का बाजार 60,000 से 90,000 करोड़ रुपए का है।

'सद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा

संसद का मानसून सत्रः हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है। भारतीयनौसेना जानकारी इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला पड़ जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है। किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का समक्ष एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच "लोक का मंदिर" है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है। इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो। जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों एवं उद्देश्यों को लेकर चुने जाते हैं, वे उन मुद्दों एवं उद्देश्यों पर खरे साबित हो। देश की जनता चाहती है कि संसद संकल्प का मंच बने, संग्राम का नहीं। सरकार विपक्ष की बात सुने, विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाए, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित और जनकल्याण ही रहे। यदि इस मानसून सत्र में राजनीतिक कटुता के स्थान पर नीति आधारित विमर्श, आरोपों के स्थान पर उत्तरदायित्व और गतिरोध के स्थान पर समाधान का वातावरण बनता है।

> देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

देश दुनिया से

संसद के सुचारू संचालन का खर्च व जवाबदेही

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। परंतु पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है। क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुकी है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष (भत्ता न काटे जाने के) यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से संसद में बिना

चर्चा के करोड़ों रुपए का नष्ट होना देश के विकास के साथ समझौता है। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटिन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 16वीं लोकसभा (2014-2019) की कार्य उत्पादकता लगभग 85 फीसदी रही। इसने कुल 1615 घंटे काम किया। इस कार्यकाल में 133 बिल पारित किए गए। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) जैसे ऐतिहासिक बिल इसी दौरान पास हुए। इस दौरान नोटबंदी, राफेल सौदा और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भारी गतिरोध रहा। 16वीं लोकसभा में 25 फीसदी बिलों को ही स्थायी समितियों के पास जांच के लिए भेजा गया जो 15वीं लोकसभा (71 फीसदी) की तुलना में बेहद कम था। 17वीं लोकसभा (2019-2024) ने अपने निर्धारित समय का लगभग 88 प्रतिशत काम किया जबकि राज्यसभा ने 73 फीसदी काम किया। इस कार्यकाल में कुल 274 बैठकें हुईं। कुल 179 विधेयक पेश किए गए और 222 बिल (पुराने और नए मिलाकर) पारित हुए। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (2019), नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 और तीन नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता आदि) इसी दौरान पारित हुए। कृषि कानून, पेगासस जासूसी विवाद, मणिपुर हिंसा और ऐतिहासिक रूप से एक ही सत्र में 146 सांसदों का निलंबन इस कार्यकाल के सबसे बड़े व्यवधान के कारण बने। इस दौरान 16 फीसदी बिलों को स्क्रूटनी के लिए समितियों के पास भेजा गया। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोकसभा (2024-वर्तमान) में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोकसभा और राज्यसभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोकसभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों जैसे आंतरिक सुरक्षा, आर्थिक घोटाले या बेरोजगारी पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। जब चर्चा का लोकतांत्रिक मंच नहीं मिलता तो व्यवधान ही एकमात्र रास्ता बचता है। बिना व्यापक बहस के और बिना संसदीय समितियों को भेजे ध्वनिमत से बिल पास होना भी संसद में टकराव का कारण है। संसद की कार्यवाही के सीधे प्रसारण से सांसदों में जनता के सामने अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने की होड़ मची रहती है।

आप का नज़रिया

चौगान बच गया

जयसिंहपुर के ऐतिहासिक चौगान पर 22 करोड़ का इनडोर स्टेडियम अगर जनता ने नामंजूर किया तो इसके पीछे एक बड़ा पैगाम है। बेशक बतौर खेल मंत्री यादविंदर गोमा का सपना हो सकता है, लेकिन वह जनता की प्रतिक्रिया को मंजूर करते हुए इसे कहीं अन्यत्र ले जा रहे हैं। इस तरह जयसिंहपुर का चौगान तो बच गया, लेकिन यह सरोकार कई चौगानों के प्रति नहीं रहे। चौगान या ऐतिहासिक मैदान महज संपत्ति नहीं ये विरासत की पूंजी है, जिसे हमने गंवा दिया। सबसे ज्यादा शहीद हुआ मंडी का पड्डल मैदान। सुजानपुर की आन बान शान यानी हिमाचल के सबसे बड़े मैदान के भी कई हिस्से हो गए, लेकिन जो बचा उसे भी हम नहीं संवार रहे। कमोबेश हर शहर व कस्बे में कुछ प्राचीन मैदान, तालाब, बावडियां, कुएं, इमारतें, चौराहे, बाजार व सिविल लाइंस हैं जो धीरे-धीरे प्रगति, तरक्की, विकास या आर्थिक विस्तार में तबाह हो रहे हैं। अतिक्रमण ने तो गांव की छोटी-छोटी इकाइयां, कूहलें, नाले, खड्डें व सार्वजनिक स्थल तक छीन लिए। कोशिश या अभियान होना चाहिए कि हम खुले स्थानों को बचाएं। हम उस संघर्ष को बचाएं जो चंबा के चौगानों की चोरी के खिलाफ है या जो धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड को बचाना चाहता है। बेशक नगरोटा बगवां के गांधी ग्राउंड के फलक पर विधायक ने ताज पहनाने का प्रयास किया, लेकिन धर्मशाला के बास्केटबाल ग्राउंड को पुलिस के आईजी आफिस ने लील दिया। बेशक नादौन बस स्टैंड के करीब चौराहे पर प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर विकसित हो गया, लेकिन अब हमें खुले परिसर चाहिएं, जो भीड़ भरे इलाकों से दूर फुर्सत में कसरत व प्रशिक्षण लेने में सहयोग करें। खेलो इंडिया खेलो के राष्ट्रीय आयोजन की पेशकश कर रहे हिमाचल को हर गली में खेल मैदान और हर शहर में खेल स्टेडियम चाहिए। यहां जिक्र धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा का होना चाहिए, जिसने शहर के आसपास कम से कम दर्जन भर नए मैदान चिन्हित किए हैं और उनमें से कुछ तो डेढ़ से दो सौ कनाल तक फैले हैं। हम बार-बार कहते आए हैं कि हर शहर और कस्बे के चारों तरफ कम से कम चार मैदान तो होने ही चाहिएं, जहां जनता की सामुदायिक जरूरतें पूरी हों। कहीं दशहरा पर्व, तो कहीं मेला संभव हो सके। कहीं सांस्कृतिक या सामाजिक महोत्सव, तो कहीं महापार्किंग या ट्रेड फेयर संभव हो सके। किसी ग्राउंड में सुबह-शाम की सैर या खेलों की संभावना रहे, तो शहर के फेफड़े तंदुरुस्त रहेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में गोमा अगर शुभारंभ करें तो जयसिंहपुर की परिक्रमा में चार-छह नए मैदान जोड़े जा सकते हैं, जबकि नादौन व हमीरपुर में भी अतिरिक्त मैदानों की जरूरत रहेगी। हमने केंद्रीय विश्वविद्यालय के संबंध में भी सुझाव दिया था कि देहरा या जदरांगल के किसी एक परिसर को पूरी तरह खेल विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया जाना चाहिए। तमाम खेल संगठनों को राज्य के किसी एक स्थल पर खेल विशेष की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अधोसंरचना के साथ खेल स्टेडियम विकसित करने चाहिएं। इस संबंध में हैंडबाल की उपलब्धियों में बिलासपुर के लालसिंघी में श्लाघनीय प्रयास हुए हैं। बात बजट की नहीं है, माहौल और निरंतरता की है। पिछली सरकार में नूरपुर स्टेडियम की खूब बात हुई, मगर आज तक अधूरा है। खिलाड़ी वर्ग को अगर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाना है, तो राजनीति नहीं होनी चाहिए। जयसिंहपुर स्टेडियम बने, लेकिन यह सिर्फ गोमा की जीत हार का सबब न बने, कल कोई और विधायक भी चाहे बन जाए, लेकिन खेल का शो जारी रहना चाहिए।

> चौगान या ऐतिहासिक मैदान महज संपत्ति नहीं ये विरासत की पूंजी है, जिसे हमने गंवा दिया। सबसे ज्यादा शहीद हुआ मंडी का पड्डल मैदान। सुजानपुर की आन बान शान यानी हिमाचल के सबसे बड़े मैदान के भी कई हिस्से हो गए, लेकिन जो बचा उसे भी हम नहीं संवार रहे। कमोबेश हर शहर व कस्बे में कुछ प्राचीन मैदान, तालाब, बावडियां, कुएं, इमारतें, चौराहे, बाजार व सिविल लाइंस हैं जो धीरे-धीरे प्रगति, तरक्की, विकास या आर्थिक विस्तार में तबाह हो रहे हैं। अतिक्रमण ने तो गांव की छोटी-छोटी इकाइयां, कूहलें, नाले, खड्डें व सार्वजनिक स्थल तक छीन लिए। कोशिश या अभियान होना चाहिए कि हम खुले स्थानों को बचाएं। हम उस संघर्ष को बचाएं जो चंबा के चौगानों की चोरी के खिलाफ है या जो धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड को बचाना चाहता है। बेशक नगरोटा बगवां के गांधी ग्राउंड के फलक पर विधायक ने ताज पहनाने का प्रयास किया, लेकिन धर्मशाला के बास्केटबाल ग्राउंड को पुलिस के आईजी आफिस ने लील दिया। बेशक नादौन बस स्टैंड के करीब चौराहे पर प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर विकसित हो गया, लेकिन अब हमें खुले परिसर चाहिएं, जो भीड़ भरे इलाकों से दूर फुर्सत में कसरत व प्रशिक्षण लेने में सहयोग करें। खेलो इंडिया खेलो के राष्ट्रीय आयोजन की पेशकश कर रहे हिमाचल को हर गली में खेल मैदान और हर शहर में खेल स्टेडियम चाहिए।

कुछ अलग

वेनिस फिल्म महोत्सव

विश्व सिनेमा के इतिहास में वेनिस फिल्म महोत्सव का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण है। इसे दुनिया का सबसे पुराना अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव माना जाता है. प्रत्येक वर्ष अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के प्रारंभ में इटली के ऐतिहासिक नगर वेनिस के सुंदर लीडो द्वीप पर इसका आयोजन होता है। अपनी समृद्ध परंपरा, कलात्मक गरिमा और वैश्विक प्रतिष्ठा के कारण यह महोत्सव फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, समीक्षकों और सिनेमा प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मंच बन चुका है। वेनिस फिल्म महोत्सव वास्तव में वेनिस बिएनाले का एक अभिन्न हिस्सा है। वेनिस बिएनाले की स्थापना वर्ष 1895 में विश्वभर की कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी। 'बिएनाले' शब्द का अर्थ है 'हर दो वर्ष में होने वाला आयोजन'. समय के साथ यह संस्था चित्रकला, मूर्तिकला, Venice International Film Fest वास्तुकला, संगीत रंगमंच। नृत्य और सिनेमा जैसी विभिन्न कलाओं के लिए विश्व का प्रतिष्ठित मंच बन गई। यद्यपि इसकी कला और वास्तुकला प्रदर्शनियां द्विवार्षिक होती हैं, लेकिन वेनिस फिल्म महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। वेनिस फिल्म महोत्सव की शुरुआत 1932 में एस्पोजिजियोने द' आर्ते चिनेमाटोग्राफिका (Exhibition of Cinematographic Arts) के नाम से हुई। यह उस वर्ष आयोजित वेनिस बिएनाले का विशेष आकर्षण था. प्रारंभिक आयोजन में प्रतियोगिता की व्यवस्था नहीं थी; इसका उद्देश्य उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन और सिनेमा कला का उत्सव मनाना था।

दृष्टि कोण

भारत-ब्रिटेन के व्यापार को मिली नई रफ्तार

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 15 जुलाई से भारत और ब्रिटेन के बीच लागू हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीटा) दोनों देशों की अटूट साझेदारी का एक युगांतरकारी पड़ाव है। यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं को ठोस अवसरों में बदलेगा। इस व्यापार समझौते में लगभग शून्य-शुल्क और सामाजिक सुरक्षा की नई व्यवस्था हमारे किसानों, उद्यमियों और लघु उद्योगों को वैश्विक ऊंचाइयों पर ले जाकर उत्कृष्टता का एक नया मापदंड स्थापित करेगी। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन के अनुसार यह एफटीए दोनों देशों में रोजगार के नए अवसर पैदा करने, नवाचार को गति देने तथा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार एवं विकास को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि 15 जुलाई को सीटा के लागू होने के पहले दिन ही 14 करोड़ डॉलर मूल्य का माल निर्यात हुआ है और आगामी दिनों में माल निर्यात के लिए बड़ी मात्रा में आर्डर मिल चुके हैं। निःसंदेह यह कोई छोटी बात नहीं है कि जिस ब्रिटेन ने कभी भारत पर लंबे समय तक शासन किया था, उसी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आज भारत एक बड़ा रणनीतिक साझेदार बन गया है। यह मुक्त व्यापार समझौता ऐसे समय में लागू हुआ है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। ऐसे में भारत और ब्रिटेन का एक साथ आना दोनों देशों के आर्थिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। वर्तमान में भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल सालाना व्यापार 55 से 60 अरब डॉलर मूल्य का है, जिसे वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समझौते से ब्रिटेन जाने वाली करीब 99 प्रतिशत भारतीय वस्तुओं पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। इससे ब्रिटेन के बाजार में भारतीय वस्तुएं सस्ती होंगी और उनका निर्यात बढ़ेगा। निश्चित रूप से भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ऐतिहासिक है और इसके दूरगामी रणनीतिक आर्थिक लाभ होंगे। वर्तमान में भारत

और ब्रिटेन के बीच व्यापार संतुलित तो है, लेकिन दोनों देशों की वास्तविक क्षमता से काफी कम है। ब्रिटेन सालाना लगभग 949 अरब डॉलर मूल्य की विभिन्न वस्तुओं का आयात करता है और इसमें भारत की हिस्सेदारी महज 13.44 अरब डॉलर की है। इसी प्रकार, ब्रिटेन सालाना लगभग 399 अरब डॉलर का सेवा आयात करता है और उसमें भारत की हिस्सेदारी महज 21.66 अरब डॉलर ही है। यह समझौता ब्रिटेन के लिए यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद किए गए अन्य सभी समझौतों (जैसे ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड या प्रशांत-पार साझेदारी) की तुलना में उसके सकल घरेलू उत्पाद को सबसे बड़ा बढ़ावा देने वाला साबित होगा। इससे आगामी वर्षों में ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भारी उछाल का अनुमान है। यह मुक्त व्यापार समझौता पश्चिमी देशों की 'चीन से इतर' आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण की रणनीति के तहत भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के एक विश्वसनीय और रणनीतिक केंद्र के रूप में स्थापित करता है। औषधि निर्माण के क्षेत्र में भारत दुनिया की फार्मा हब के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बाजार पहुंच और शुल्क संरचना के सरलीकरण के मोर्चे पर ब्रिटेन ने अभूतपूर्व उदारता दिखाई है। यह भारतीय विनिर्माण और विशेषकर सेवा क्षेत्र के लिए एक विशाल अवसर है। दूसरी ओर, भारत ने भी अपने घरेलू हितों और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए ब्रिटेन के 90 प्रतिशत उत्पादों पर सीमा शुल्क को धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से कम या समाप्त करने पर सहमति जताई है।

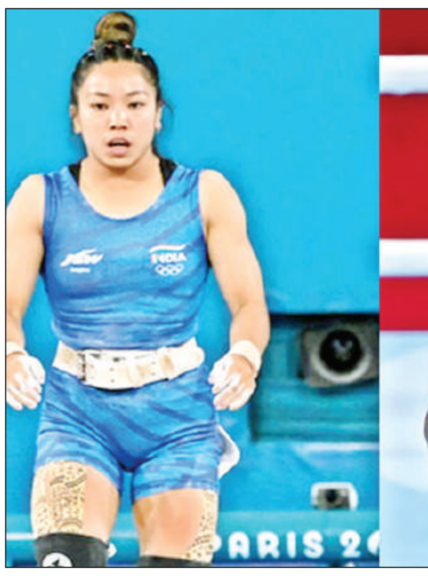

ग्लासगो कामनवेल्थ गेम्स में मीराबाई व लवलीना रहेंगी भारतीय ध्वजवाहक

नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले ग्लासगो कामनवेल्थ खेलों के लिए भारतीय दल की ध्वजवाहक बनायी गयी हैं। ऐसे में चानू और लवलीना 23 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में 126 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए तिरंगा लेकर मार्च करेंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने इस उपलब्धि के लिए चानू और लवलीन को बधाई दी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये दोनो ही अपने प्रदर्शन से पदक जीतने के साथ ही भारतीय दल को प्रेरित भी करेंगी। उषा ने कहा कि समारोह में दोनो ही महिला खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाया जाना, भारतीय खेलों में महिला एथलीटों की बढ़ती भूमिका और उनकी असाधारण उपलब्धियों के प्रति सम्मान प्रकट करना भी है।

भारोत्तोलक चानू ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में रजत पदक जीता था। इसके अलावा वह विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं और बर्मिंघम में आयोजित 2022 कामनवेल्थ गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। हालांकि पेरिस ओलंपिक 2024 में वह पदक नहीं जीत पायी थीं पर अब ग्लासगो में उनका लक्ष्य एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतना होगा।

वहीं मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने भी टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2023 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया और हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में भी रजत पदक हासिल कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। हालांकि अब तक वह कामनवेल्थ गेम्स में पदक नहीं जीत सकी हैं।

जर्सी के किसान ने खेत पर बना दिया इंटरनेशनल मैदान:जिमी परचार्ड के मैदान पर खेलती है जर्सी की नेशनल टीम; उन्हीं के बेटे कप्तान भी

लंदन। साल 2005 क्रिकेट फैंस के लिए इंग्लैंड-आस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक एशेज सीरीज का साल था। लेकिन इसी दौरान यूनाइटेड किंगडम के पास स्थित छोटे से द्वीप जर्सी में क्रिकेट की एक अनोखी कहानी लिखी जा रही थी। यहां सेंट मार्टिन इलाके के किसान जिमी परचार्ड ने अपने घर के पीछे मौजूद आलू के खेत को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में बदल दिया। आज यही मैदान फार्मर्स क्रिकेट ग्राउंड के नाम से जाना जाता है और जर्सी क्रिकेट का प्रमुख केंद्र है। इस मैदान की शुरुआत 1977 में हुई, जब स्थानीय किसान दिनभर खेतों में काम करने के बाद शाम को क्रिकेट खेलते थे। खेल खत्म होने पर अक्सर एक ही बात होती थी काश, हमारा अपना मैदान होता। जिमी ने इस सपने को सच करने का फैसला किया। 2003 में उन्होंने अपने खेत में क्रिकेट पिच बनाने की अनुमति ली और दो साल बाद 2005 में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक गैटिंग ने मैदान का उद्घाटन किया। शुरुआत बेहद साधारण थी। खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक अस्थायी चेंजिंग केबिन था। लेकिन जिमी के जुनून ने लोगों को प्रभावित किया। स्पान्सर्स जुड़े और धीरे-धीरे यहां पैवेलियन, साइटस्क्रीन, बाउंड्री और दूसरी आधुनिक सुविधाएं तैयार हो गईं। आज क्लब हाउस की दीवारों पर अमेरिका से लेकर वानुअतु तक की टीमों की कैप, तस्वीरें और यादगार चीजें सजी हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिंधु लास एंजिल्स ओलंपिक में भारत के लिए पदक की बड़ी दावेदार होगी : गोपीचंद

हैदराबाद । भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा है कि पीवी सिंधु 2028 लास एंजिल्स खेलों में देश के लिए पदक की एक बड़ी दावेदार रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार दो बार ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने जिस प्रकार से जापान ओपन जीत है। उससे साफ है कि वह लय में आ गयी हैं और अब 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक में उनकी नजरें स्वर्ण पदक पर रहेंगी। गोपीचंद के अनुसार जापान में सिंधु ने शीर्ष स्तर की खिलाड़ियों के खिलाफ काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऐसे में वह ओलंपिक में अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए कड़ी चुनौती पेश करेंगी। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से जुड़े एक कार्यक्रम में गोपीचंद ने कहा कि सिंधु निश्चित रूप से ओलंपिक पदक की एक मजबूत दावेदार हैं। उन्होंने उनमें चेन यूफेई और हान यूए जैसी दिग्गजों को हराने की पूरी क्षमता है। गोपीचंद के अनुसार, कई खिलाड़ी अभी भी सिंधु की खेल शैली को पूरी तरह से समझ नहीं पायी हैं जिसका भी लाभ उन्हें मिलेगा। भारतीय दल की अन्य उम्मीदों पर प्रकाश डालते हुए गोपीचंद ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी किसी भी दिन खिताब जीतने का दम रखती है। उन्होंने बताया कि सात्विक फिलहाल कंधे की चोट से उबर रहे हैं और उम्मीद है कि वह विश्व चैंपियनशिप तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। इसी चोट के कारण वे अगले सप्ताह होने वाले चाइना ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके अतिरिक्त, कोच ने युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी की भी जमकर प्रशंसा की और स्वीकार किया कि पुरुष एकल वर्ग में प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है, फिर भी इन युवा प्रतिभाओं से काफी उम्मीदें हैं।

न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराया

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में चौथे वनडे में वेस्टइंडीज को 1 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली है। इसके साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर लिया। 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम 149/6 पर संकट में थी, लेकिन कप्तान मिचेल सैंटनर की नाबाद 34 रन की पारी ने टीम को जीत दिलाई। कैच छूटा, अगले ओवर में मैच खत्म जीत के लिए 3 रन चाहिए थे और न्यूजीलैंड के 9 विकेट गिर चुके थे। 44वें ओवर में सैंटनर का आसान कैच अकीन आगस्टे और जस्टिन ग्रीव्स की टक्कर के कारण छूट गया। इसके बाद 45वें ओवर की पहली गेंद पर सैंटनर ने चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया। चापमैन ने पारी संभाली 6 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद मार्क चापमैन ने 82 गेंदों में 80 रन बनाकर पारी संभाली। उनके आउट होने के बाद गुडाकेश मोती ने लगातार विकेट लेकर कीवी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। मोती ने 5 विकेट लिए, लेकिन सैंटनर आखिर तक टिके रहे और 11वें नंबर के जेडन लेनोक्स के साथ जीत दिला दी। सैंटनर ने गेंदबाजी में भी 2 विकेट लिए। वेस्टइंडीज 188 रन पर आलआउट पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज 188 रन पर सिमट गई।

हिमाचल के 11 स्केटर एशियन ट्रॉफी के लिए सिलेक्ट:6 खिलाड़ी चियोग के रहने वाले; ग्रामीणों ने बिना सरकारी मदद खुद बनाया आइस स्केटिंग रिंक

शिमला। हिमाचल प्रदेश के 11 खिलाड़ी एशियन ओपन शार्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्राफी-2026 के लिए चयनित हुए हैं। इनमें से छह खिलाड़ी शिमला जिला के चियोग व आसपास के है, जहां के ग्रामीणों ने खुद बिना सरकारी मदद के दो साल पहले आइस स्केटिंग रिंक तैयार किया। अब यहां तैयार बच्चे इंडियन टीम के लिए चयनित हुए है। आइस स्केटिंग एसोसिएशन आफ इंडिया ने टीम देहरादून में आयोजित ट्रायल के दौरान टीम का चयन किया। भारतीय टीम में सिलेक्ट 11 में से 7 खिलाड़ी चियोग में ही अभ्यास करते है। अब यही बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व चयनित खिलाड़ियों में तेजस्वी कुठियाला, रुद्रवीर गांगटा, समर्थ अत्री, दिव्यांश ठाकुर, आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर, विख्यात कंवर और मोक्षा शर्मा शामिल हैं। इनमें से आभास वर्मा, आद्विक जगटा, आराध्या शर्मा, अनिरुद्ध चंदेल, शुभम ठाकुर और विख्यात कंवर चियोग के रहने वाले हैं। शिमला जिला के ही जुब्बल के रहने वाले रुद्रवीर गांगटा भी चियोग के ही आइस स्केटिंग रिंक में अभ्यास करते हैं।

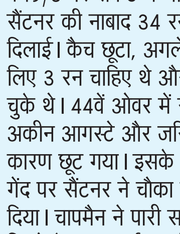

वर्ल्ड कप जीतकर भावुक हुए लामिन यमाल, बोले- मेरी मां 16 साल की थीं जब मैं पैदा हुआ था

स्पेन को विश्व चैंपियन बनाने वाले युवा स्टार ने संघर्षों को किया याद, कहा- असली दबाव मेरे माता-पिता ने झेला

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद स्पेन के युवा स्टार विंगर लामिन यमाल भावुक हो गए।

विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर इतिहास रचने वाले 19 वर्षीय यमाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के संघर्ष को देते हुए कहा कि उन्होंने कभी मैदान पर दबाव महसूस नहीं किया, क्योंकि असली संघर्ष उनके परिवार ने झेला है।

मां 16 साल की थीं, पिता ने परिवार के लिए कड़ी मेहनत की

ट्रॉफी जीतने के बाद यमाल ने कहा, ''मैं कभी खुद पर दबाव नहीं डालता। ऐसे लोग हैं जिन्होंने मुझसे कहीं अधिक कठिनाइयों का सामना किया है। जब मेरी मां सिर्फ 16 साल की थीं, तब मेरा जन्म हुआ था। असली दबाव तो उनके ऊपर था। इसके बाद मेरे पिता को परिवार का पालन-पोषण करने के लिए सड़कों से सामान इकट्ठा कर मेहनत करनी पड़ी। मुझे तो सिर्फ फुटबॉल खेलना है और स्पेन के प्रशंसकों को खुशी देनी है।''

19 साल की उम्र में रचा इतिहास

महज 19 वर्ष और 6 दिन की उम्र में लामिन यमाल विश्व फुटबॉल के इतिहास में यूरो कप और फीफा वर्ल्ड कप दोनों जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर चौथी बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में यमाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक और अनोखा कीर्तिमान

यमाल फुटबॉल इतिहास के पहले किशोर (टीनेजर) खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने यूरो कप और फीफा वर्ल्ड कप दोनों के फाइनल मुकाबलों में शुरुआती एकादश (स्टार्टिंग इलेवन) में जगह बनाई। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करना उन्हें विश्व फुटबॉल के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की श्रेणी में खड़ा करता है।

विश्व कप जीतने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी

आंकड़ों के अनुसार, लामिन यमाल अब विश्व कप जीतने वाले इतिहास के चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

उनसे पहले केवल पेले (17 वर्ष 249 दिन), रोनाल्डो नाज़ारियो (17 वर्ष 298 दिन) और ज्यूसेपे बर्गोमी (18 वर्ष 201 दिन) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

यूरो 2024 और फीफा वर्ल्ड कप 2026 जैसी विश्व फुटबॉल की दो सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफियां बेहद कम उम्र में जीतकर लामिन यमाल ने अपने नाम एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है और भविष्य के महान खिलाड़ियों में अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर दी है।

भारतीय क्रिकेट में अच्छी बेंच स्ट्रेंथ से टीम चयन हुआ बेहद कठिन: दिनेश कार्तिक

मुम्बई

पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के अनुसार भारतीय क्रिकेट में लगातार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। इसी कारण चयनकर्ताओं के लिए अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम चयन कठिन हो गया है। कार्तिक के अनुसार अभी के समय में भारतीय टीम की बेंच स्ट्रेंथ सबसे अधिक है। इससे टीम में शामिल हर खिलाड़ी पर अपनी जगह बनाए रखने का भारी दबाव है। कार्तिक ने कहा कि साल 2027 एकदिवसीय के लिए उन्हीं खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जो लगातार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि टीम प्रबंधन को वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य के संबंध में स्पष्ट संवाद स्थापित करना होगा, ताकि सशंय की भावन दूर ओ और खिलाड़ी मानसिक रूप से हर स्थित के लिए तैयार रहें। एक कार्यक्रम में कार्तिक ने भारतीय क्रिकेट की वर्तमान स्थिति को लेकर कहा कहा, इस समय भारत एक ऐसी अनोखी स्थिति में है, जहां कोई अन्य क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है। हमारी टीम के हर स्थान के लिए कई मजबूत विकल्प उपलब्ध हैं। यही कारण है कि आज भारत के लिए खेलना पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण और मुश्किल हो गया है, क्योंकि प्रत्येक खिलाड़ी के कई विकल्प उपलब्ध हैं ऐसे में किसी भी खिलाड़ी को अपनी जगह बचाने का निरंतर दबाव महसूस होता है। यह टिप्पणी भारतीय क्रिकेट के उज्वल भविष्य और साथ ही खिलाड़ियों के सामने आने वाली मनोवैज्ञानिक चुनौती दोनों को दर्शाती है, जहाँ प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है। कार्तिक ने कहा कि चयनकर्ताओं के सामने भी काफी कठिन स्थिति है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के लिए फैसला लेना कितना कठिन होता है ये समझा जा सकता है। अगर आप अजित अगरकर की कुर्सी पर बैठे हों, तो यह आसान फैसला नहीं होता। आपको यह तय करना होता है कि मौजूदा सुपरस्टार को मौका दिया जाए या उस युवा खिलाड़ी पर भरोसा किया जाए जो आने वाले वर्षों में एक सुपरस्टार बन सकता है।, कार्तिक ने कहा। युवा खिलाड़ियों का लगातार शानदार प्रदर्शन उन्हें टीम से बाहर रखना कठिन बना देता है, जिससे चयनकर्ताओं को अनुभवी और युवा प्रतिभा के बीच एक संतुलन बनाना पड़ता है। हालांकि वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, वरिष्ठ खिलाड़ियों ने देश के लिए जो योगदान दिया है, उसे देखते हुए मैं चाहता हूं कि उन्हें अपने करियर का अंत अपने तरीके से करने का अवसर मिले। उन्होंने इस बात की वास्तविकता को भी स्वीकार किया कि हर कहानी का अंत मनचाहा नहीं होता। कार्तिक का मानना है कि प्रबंधन की स्पष्टता और पारदर्शिता ही खिलाड़ियों को तनावमुक्त रखने और टीम के समग्र प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, खासकर जब टीम 2027 विश्व कप की तैयारी कर रही हो और उसे एक मजबूत व एकजुट इकाई के रूप में आगे बढ़ना हो।

स्लोवेनिया में साइकिल रेस

बेल्जियम । स्लोवेनिया में साइकिल रेस में फिनिश लाइन पार करने के बाद उत्साहित बेल्जियम के रोमोको इवनपोल, वह इस चरण में स्थानीय चालक टेडेज पोगाकर से भी आगे निकल गये।

पीसीबी ने श्रीलंका दौरे के लिए महिला टीम में कई बदलाव किये, फातिमा एकदिवसीय और मुनीबा टी20 में कप्तानी करेंगी

लाहौर

पाकिस्तान ने श्रीलंका दौरे के लिए अपनी महिला क्रिकेट टीम में बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को टी20 जबकि आलराउंडर फातिमा सना को एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया है। पाकिस्तान की टीम को अपने इस दौर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय में कई बदलाव किये हैं। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि उसके किये आठ बदलावों से टीम बेहतर होकर उभरेगी। इससे टीम एक नई ऊर्जा और रणनीतिक के साथ उतरेगी।

पाक महिला टीम श्रीलंका के दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज और उसके बाद उतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह पूरा दौरा हंबनटोटा में आयोजित किया जाएगा, इसकी शुरुआत 23 जुलाई को होगी और ये 4 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए विशेष रूप से अहम है क्योंकि एकदिवसीय सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 का हिस्सा रहेगी। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें हासिल अंक अगले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधी योग्यता निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसे में, फातिमा सना पर न केवल टीम को जीत दिलाकर महत्वपूर्ण अंक बटोरने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि विश्व कप की राह में एक मजबूत शुरुआत करने का भी दबाव होगा।

फातिमा अपनी प्रभावशाली तेज गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, एकदिवसीय सीरीज के बाद वह टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। वह इंग्लैंड में होने वाली प्रतिष्ठित द हंड्रेड टूर्नामेंट में भागे लेने जाएंगी। द हंड्रेड जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में फातिमा का खेलना पाकिस्तानी महिला क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह न केवल उन्हें विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि इससे अन्य पाकिस्तानी महिला क्रिकेटरों को भी बड़े मंचों पर खेलने के अवसर मिलेंगे।

लार्ड्स की हार पर बोले निराश रोहित- हमने पूरी कोशिश की, लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए

नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ लार्ड्स में तीसरे और निर्णायक वनडे में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने लक्ष्य का पीछा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन 20-25 रन पीछे रह गई। उन्होंने स्वीकार किया कि हार निराशाजनक रही, लेकिन टीम को इस हार से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी एक वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि टीम पूरे दौरे में अच्छा क्रिकेट खेल रही थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में लक्ष्य हासिल करने से चूक गई। उन्होंने कहा कि परिणाम से थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मुझे लगा कि हम काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे। बर्मिंघम में हमने शानदार शुरुआत की थी। कार्डिफ में बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। यहां भी बड़ा लक्ष्य था। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन फिर 20-25 रन कम रह गए। लार्ड्स वनडे में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दबाव में नजर आया। अंतिम तीन ओवरों में 62 रन खर्च करने से इंग्लैंड ने 387 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि, रोहित ने युवा गेंदबाजों का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया। रोहित ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें थोड़ा समय देना होगा। उम्मीद है कि हम इस मैच से सीखेंगे और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। पूर्व कप्तान ने इंग्लैंड में खेलने को लेकर कहा कि मुझे इंग्लैंड में खेलना पसंद है। यहां का माहौल, मैदान और पिचें हर बार नई चुनौती देती हैं। एक क्रिकेटर के रूप में आप ऐसी ही चुनौतियां चाहते हैं। व्यक्तिगत रूप से मैंने इसका आनंद लिया, लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा, परिणाम से थोड़ी निराशा हुई। अब हमें आगे बढ़कर यह देखना होगा कि एक टीम के रूप में हम कहां बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की सफलता केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन पर नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। रोहित-विराट की साझेदारीलार्ड्स में रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच हुई 113 रनों की साझेदारी ने एक नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। यह दोनों के बीच वनडे क्रिकेट में 21वीं शतकीय साझेदारी रही। इसके साथ ही उन्होंने श्रीलंका के कुमार संगकारा और तिलकरत्ने दिलशान (20 शतकीय साझेदारियां) को पीछे छोड़ते हुए सर्वकालिक सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। इस सूची में शीर्ष पर सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की 26 शतकीय साझेदारियां हैं। रोहित ने विराट कोहली के साथ अपनी समझ का जिक्र करते हुए कहा कि लंबे समय तक साथ खेलने का फायदा मैदान पर साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि हमने अपना पूरा करियर साथ खेला है। विराट के साथ बल्लेबाजी करना हमेशा आनंददायक होता है। हम एक-दूसरे के खेल और सोच को अच्छी तरह समझते हैं। पारी के दौरान लगातार बातचीत होती रहती है कि मैच को किस तरह आगे बढ़ाया जाए। 2-1 से सीरीज हारइंग्लैंड ने लार्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मैच में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 387 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 50 ओवर में सात विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गल्फ लायड्स का आईपीओ, 27 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी आडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लायड्स (इंडिया) लिमिटेड का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है।

इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद पहले दिन दोपहर 12:45 बजे तक ये आईपीओ 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। खासकर, रिटेल इंवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में ये इश्यू 4.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं प्रभात फाइनेंशिय सर्विसेज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। गल्फ लायड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह 2025-26 में कंपनी को 35.97 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी।

कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इस अवधि में गल्फ लायड्स के पास 8.71 करोड़ रुपये का रिजर्व और सरप्लस था। अगर कंपनी की ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 7.90 करोड़ रुपये के स्तर पर थी। अगर कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ की बात करें तो 2025-26 के अंत तक गल्फ लायड्स पर 15.68 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लदा हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

इंडो एमआईएम ला रही 3,812 करोड़ का आईपीओ, तय हुआ मूल्य दायरा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली प्रमुख कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की घोषणा की है। कंपनी ने 3,812 रुपए करोड़ के इस आईपीओ के लिए 461 से 485 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह निर्गम 23 जुलाई से 27 जुलाई तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। बेंगलुरु मुख्यालय वाली इस कंपनी ने बताया कि मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर उसका मूल्यांकन करीब 24,000 करोड़ रुपए का आंका गया है। यह आईपीओ 500 करोड़ रुपए तक के नए शेयर जारी करने और 6.83 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ऐएफएस) का मिश्रण है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 400 करोड़ का उपयोग ऋणों के पुनर्भुगतान में करेगी, जबकि शेष राशि सामान्य कारपोरेट उद्देश्यों के लिए होगी। बड़े (एंकर) निवेशक 22 जुलाई को बोली लगा सकेंगे और शेयर 30 जुलाई को बीएसई व एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही, मुनाफा और आय में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली। भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है। इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री 8.45 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.93 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। प्रारंभिक नतीजों में बैंकों, आईटी कंपनियों और रिलायंस इंडस्ट्रीज का प्रदर्शन मुख्य रहा है। कुल शुद्ध मुनाफे में बैंकों की हिस्सेदारी करीब 52 प्रतिशत रही, जबकि आईटी क्षेत्र का योगदान 19.5 प्रतिशत रहा। कुल आय में रिलायंस इंडस्ट्रीज का सबसे अधिक 31.2 प्रतिशत योगदान रहा, इसके बाद बैंकों का 31 प्रतिशत और आईटी का 16.4 प्रतिशत योगदान रहा। बैंक, वित्तीय और बीमा, तेल एवं गैस तथा धातु एवं खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को छोड़कर भी कंपनियों का शुद्ध मुनाफा 13.8 प्रतिशत और आय 15.7 प्रतिशत बढ़ी, जो क्रमश: वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 5 प्रतिशत और 13 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है।

संरचनात्मक सुधारों से भारत 9 फीसदी वृद्धि दर हासिल कर सकता है: सुब्रमण्यम

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत कारोबार करने और

वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उनके अनुसार, वृहद आर्थिक स्थिरता ने 7 फीसदी वृद्धि तक पहुंचाया है, जबकि संस्थागत सुधार 9 फीसदी तक ले जा सकते हैं। सुब्रमण्यम ने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों को लागू करने की वकालत की। उनका मानना है कि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि के लिए निजी निवेश का जीडीपी में हिस्सा 30 फीसदी से अधिक होना चाहिए, जो वर्तमान में लगभग 22-23 फीसदी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है और बैंकिंग प्रणाली भी एनपीए के निचले स्तर पर होने के कारण मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की बात कही।

श्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की कीमत में उबाल, 90 डालर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से कच्चे तेल की आवाजाही एक बार फिर पूरी तरह से ठप पड़ जाने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 90 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है।

ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर पिछले डेढ़ महीने के सबसे ऊंचे स्तर 90.73 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 85 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने 2.60 डालर प्रति बैरल की उछाल के साथ 90.70 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद कुछ देर के लिए इसकी कीमत 90 डालर के स्तर से नीचे लुढ़क कर 89.91 डालर प्रति बैरल तक भी पहुंची, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये दोबारा 90 डालर के स्तर को पार कर 90.73 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.48 डालर प्रति बैरल यानी 2.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.58 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने 2.14 डालर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 84.63 डालर प्रति बैरल के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड कुछ देर के लिए फिसल कर 83.61 डालर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। थोड़ी देर बाद ही इसकी चाल में तेजी आ गई।

इस तेजी की वजह डब्ल्यूटीआई क्रूड थोड़ी देर बाद ही 85 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 85.39 डालर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 84.46 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एक्जेक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि अमेरिका और ईरान द्वारा जिस तरह से युद्ध को तेज कर रहे हैं, उससे पश्चिम एशिया में शांति की संभावनाएं काफी क्षीण हो गई हैं। इस जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई पूरी तरह से ठप पड़ गई है।

क्रूड आयल की ग्लोबल सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज के रास्ते से ही निकलता है। खासकर, खाड़ी के देश से होने वाले कच्चे तेल की सप्लाई का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। अमेरिका और ईरान की तनातनी की वजह से होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता बाधित हो गया है, जिसके कारण दुनिया में एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। इसी आशंका की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। अनिल भंसाली का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारत जैसे कच्चे तेल के आयातक देश के लिए चिंता की एक बड़ी वजह बन सकती है। इसकी वजह से देश का करंट अकाउंट डेफिसिट काफी बढ़ सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है।

इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारतीय मुद्रा को कमजोर कर सकती है, महंगाई को बढ़ा सकती है और फारेन कैपिटल आउटफ्लो (विदेशी पूंजी की निकासी) को और भी ज्यादा बढ़ा सकती है। ऐसा होने पर अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव का मुकाबला करने के लिए केंद्र सरकार को सब्सिडी, इंटरेस्ट रेट और रुपया-डालर एक्सचेंज रेट पर पड़ने वाले असर के बारे में कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत-स्पेन में डिजिटल भुगतान एकीकरण पर तेजी

नई दिल्ली। भारत और स्पेन ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणालियों, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच बिजुम' को एकीकृत करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण निर्णय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में लिया गया। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंचों को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर आगे बातचीत बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने आपसी निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार लाने और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी व्यापक चर्चा की। इस दौरान यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का अधिकतम लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया। अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान मंत्री गोयल ने भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया।

लोहिया कार्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ

नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कार्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है।

लोहिया कार्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलाटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई। वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 212.16 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घट कर 152.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

पश्चिम एशिया में जंग तेज होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में जोरदार तेजी आ गई है, जिससे एक बार फिर महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। इस आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 406.55 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,146.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 76.08 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,457.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 361.70 अंक यानी 1.40 प्रतिशत टूट कर 25,520.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 52,146.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,600.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत लुढ़क कर 8,338.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.34 प्रतिशत फिसल कर 24,830.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से चार के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टाक एक्सचेंज में कारोबार नहीं होने के कारण निक्केई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 191 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,158 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.20 प्रतिशत टूट कर 42,588 अंक के स्तर तक चला गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 261.18 यानी 3.83 प्रतिशत लुढ़क कर 6,559.42 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत फिसल कर 1,637.03 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,229.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.18 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,808.39 अंक के स्तर पर आ गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर पहुंचे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर

श्री हनुमंत कथा के सफल समापन बाद किए मां भाग्यलक्ष्मी के दर्शन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तीन दिवसीय श्री हनुमंत कथा एवं दिव्य दरबार के सफल समापन के पश्चात बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी यात्रा के अंतिम दिन चारमीनार स्थित प्रसिद्ध एवं प्राचीन श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर पहुंचकर मां भाग्यलक्ष्मी के दर्शन किए।

इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश, धर्म एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दर्शन के उपरांत मंदिर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता की सराहना करते हुए सनातन परंपरा के संरक्षण और आध्यात्मिक मूल्यों को मजबूत बनाने का संदेश दिया।उनके मंदिर दर्शन के साथ ही हैदराबाद प्रवास का समापन हुआ। तीन दिवसीय श्री हनुमंत कथा एवं दिव्य दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

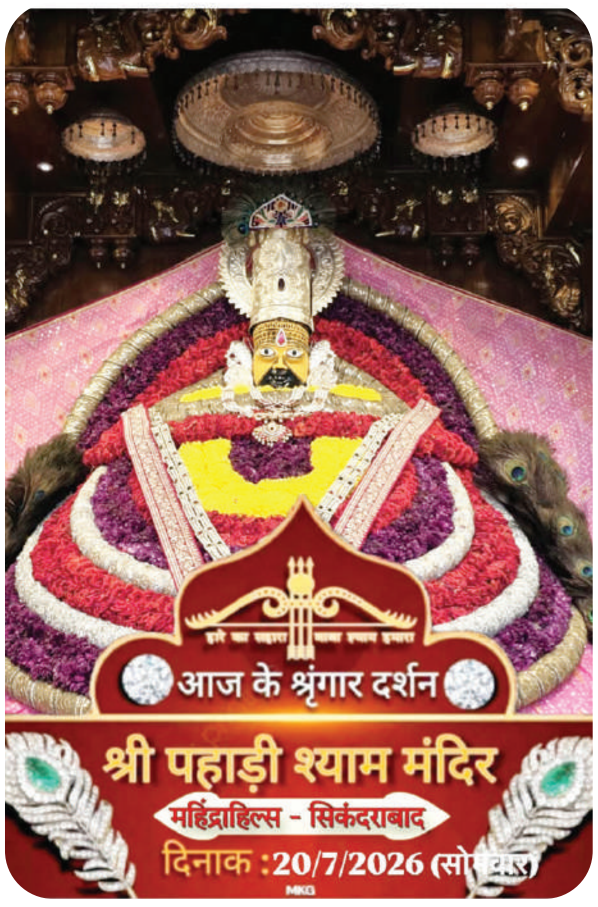

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की रजत जयंती समारोह 16 अगस्त को

25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य समारोह की तैयारियाँ तेज, म्यूजिकल तंबोला, सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक संध्या होंगे आकर्षण

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की घांसीबाजार झूला शाखा के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शाखा की सिल्वर जुबिली का भव्य समारोह आगामी 16 अगस्त (रविवार) को आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए संयोजक मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में उनके चेलपुरा स्थित निवास पर आयोजित हुई।बैठक से पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश गोयल (प्रभुदयाल पंच परिवार), उद्घाटनकर्ता एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता तथा तंबोला कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता एवं आत्मगौरव भवन के चेयरमैन राजेश अग्रवाल को औपचारिक निमंत्रण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि समारोह सायं 6:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक सिकंदराबाद के क्लासिक गार्डन, बालमराई में आयोजित होगा। कार्यक्रम स्थल के प्रायोजक अमरलाल श्रीकिशन अग्रवाल हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में सायं 6:00 बजे से 8:00 बजे तक हैदराबाद के प्रसिद्ध तंबोला आयोजक सौरभ दगा एवं उनकी टीम द्वारा म्यूजिकल तंबोला आयोजित किया जाएगा।

इस प्रतियोगिता में केवल घांसीबाजार झूला शाखा के सदस्य एवं प्रायोजक परिवार ही भाग ले सकेंगे। प्रत्येक परिवार को निर्धारित सहयोग राशि पर केवल एक तंबोला टिकट उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए एक अगस्त से पूर्व सदस्यता शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। टिकटें सीमित संख्या में उपलब्ध रहेंगी और 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर वितरित की जाएँगी।

बंपर पुरस्कार होंगे मुख्य आकर्षण

म्यूजिकल तंबोला के विजेताओं के लिए आकर्षक बंपर पुरस्कार रखे गए हैं, जिनमें 55 इंच की दो एलईडी स्मार्ट टीवी, 32 इंच एलईडी स्मार्ट टीवी, 220 लीटर डबल डोर रेफ्रिजरेटर, 1.5 टन एयर कंडीशनर, सात किलोग्राम वॉशिंग मशीन, 25 लीटर माइक्रोवेव ओवन, एयर फ्रायर, 725 वाट मिक्सर-ग्राइंडर, फ्रिज सहित वाटर डिस्पेंसर, गारमेंट स्टीमर आयरन मशीन सहित अनेक आकर्षक उपहार शामिल हैं।इन पुरस्कारों के प्रायोजकों में अजीत गुप्ता, दुर्गाप्रसाद नरेठा, आर.एन. गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, सत्यम अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल एवं विपिन अग्रवाल शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए टेबल पर अल्पाहार की भी व्यवस्था रहेगी।

सायं 8:00 बजे से सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथियों का सम्मान करने के साथ-साथ घांसीबाजार झूला शाखा एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना की केंद्रीय समिति की स्थापना से अब तक के सभी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही अग्रवाल समाज की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों को भी समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि राजेश गोयल (प्रभुदयाल पंच परिवार) होंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता करेंगे, जबकि सुनील कुमार पाटोदिया एवं जगत नारायण अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

गुल सक्सेना की प्रस्तुति और डीजे नाइट होगी विशेष आकर्षण

रात्रि 9:00 बजे से मनोरंजन कार्यक्रम के अंतर्गत मुंबई की सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय गायिका गुल सक्सेना तथा इंटरनेशनल म्यूजिक मैक्स म्यूजिकल बैंड के महावीर उपाध्याय अपनी मधुर फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके पश्चात आधुनिक डीजे, रंग-बिरंगी रोशनी एवं विशाल एलईडी स्क्रीन के साथ विशेष मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समारोह के अंत में सभी अतिथियों एवं सदस्यों के लिए भव्य रात्रिभोज की व्यवस्था रहेगी।

बैठक में अनेक पदाधिकारी रहे उपस्थित

प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि तंबोला टिकट अथवा कार्यक्रम से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए इच्छुक अग्रबंधु शाखा के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

बैठक में अध्यक्ष अनिल धरसूवाला, मानद मंत्री मनोज मित्तल, कोषाध्यक्ष अशोक सोलनावाला, निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद पचेरिया, महेश कनोडिया, दीपक पचेरिया, महिला समिति की प्रधान संयोजिका शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मीनू गर्ग, राधा अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभा का समापन अशोक सोलनावाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जोधपुर में महेश बैंक की नई शाखा खोलने की दिशा में बढ़े कदम

चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने समाजजनों व उद्यमियों के साथ की विस्तृत बैठक

व्यापारिक संभावनाओं पर हुआ मंथन, समाज ने शाखा खोलने के लिए दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में पाँच नई शाखाएँ खोलने की योजना बनाई है। इसी क्रम में बैंक के निदेशक मंडल ने राजस्थान के जोधपुर शहर में नई शाखा खोलने के लिए बाजार सर्वेक्षण एवं समाज के प्रमुख लोगों के साथ विचार-विमर्श करने का निर्णय लिया।

भीलवाड़ा और जोधपुर में किया बाजार सर्वेक्षण

बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने 16 जुलाई को बैंक की भीलवाड़ा शाखा का दौरा कर वहाँ ग्राहकों, वरिष्ठ सामाजिक नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों के साथ बैठक की। इसके बाद 17 जुलाई को जोधपुर के माहेश्वरी भवन, रातानाडा में माहेश्वरी समाज एवं अन्य राजस्थानी समाज के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की।

राजस्थान में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने बताया कि महेश बैंक वर्तमान में 45 शाखाओं के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जिनमें जयपुर और भीलवाड़ा की दो शाखाएँ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बैंक राजस्थान में अपने विस्तार की योजना के तहत वर्ष 2026-27 में जोधपुर में नई शाखा स्थापित करना चाहता है।

जोधपुर में अपार व्यापारिक संभावनाएँ : समाज प्रतिनिधि

जोधपुर माहेश्वरी समाज की ओर से ओमप्रकाश मणियार ने कहा कि जोधपुर एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है और यहाँ महेश बैंक की शाखा सफलतापूर्वक संचालित हो सकती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि माहेश्वरी समाज बैंक को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

उद्योगपति सत्यनारायण धूत ने कहा कि जोधपुर में ग्वार, हथकरघा एवं कृषि उत्पादों का बड़ा व्यापार होता है। उन्होंने बताया कि शहर में माहेश्वरी समाज की लगभग 35 हजार की आबादी है तथा समाज की अनेक शिक्षण संस्थाएँ और सामुदायिक भवन भी हैं। ऐसे में यदि समाज की अपनी बैंक यहाँ शाखा खोलती है तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिलेगा।

वेयरहाउस, हाउसिंग और गोल्ड लोन में बेहतर संभावनाएँ

जोधपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम मूंदड़ा ने कहा कि शहर में वेयरहाउस रसीद वित्तपोषण, ऑटोमोबाइल ऋण, हाउसिंग लोन तथा गोल्ड लोन के क्षेत्र में पर्याप्त व्यापारिक संभावनाएँ हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बैंक शाखा के लिए जालोरी गेट से अखलिया चौराहा तक का क्षेत्र उपयुक्त रहेगा। वहीं कुछ अन्य सदस्यों ने पावटा क्षेत्र से मंडोर मंडी के आसपास शाखा स्थापित करने का सुझाव दिया।

मार्केटिंग सर्वे के बाद शीघ्र खुलेगी शाखा

बैठक के अंत में उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने एकमत से कहा कि जोधपुर में महेश बैंक की शाखा खोलने की पर्याप्त संभावनाएँ हैं और समाज इस पहल का पूरा सहयोग करेगा।

चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड़ ने बताया कि बैंक शीघ्र ही विस्तृत मार्केटिंग सर्वे पूरा कर जोधपुर में नई शाखा खोलने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा।

इन गणमान्यजनों की रही उपस्थिति

बैठक में अरुण बंग, जसराज पलोड़, राजनारायण फोफलिया, अशोक राठी, श्यामसुन्दर राठी, ललित फोफलिया, रमेश सूद, जेठमल, पवन फोफलिया, शंकरलाल धूत, नारायणप्रसाद पलोड़, राजेन्द्र गांधी, राजेन्द्र धारीवाल, प्रकाश मंत्री, मोहन पलोड़, सुनील झँवर, शांतिलाल बाहेती, रामअवतार लोया, संजय कुमार टावरी, सोहनलाल मूंदड़ा, श्यामसुन्दर केला, रामस्वरूप पलोड़, प्रहलाद बजाज, कैलाश जाजू, कमलकिशोर धूत, दिनेश माहेश्वरी, भरत माहेश्वरी, राणूलाल राठी, मुरलीधर सोनी, श्यामसुन्दर धूत, राधाकिशन सोनी, श्यामसुन्दर पलोड़, ओमप्रकाश मणियार, रामेश्वरलाल राठी, सत्यनारायण धूत, महेश फोफलिया, भँवरलाल भूतड़ा, राधेश्याम धूत, पुरुषोत्तम मूंदड़ा, विजय सोनी, तेजराज मंत्री, अशोक पलोड़, नेमीचंद राठी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणादायक : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की निस्वार्थ सेवा समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अनेक सेवा भावी सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर के 78वें वार्षिक बोनालु उत्सव का निमंत्रण पत्र विमोचित

मंत्री पोन्नम प्रभाकर बोले- सरकार देगी पूरा सहयोग

ऐतिहासिक बोनालु जंक्शन यात्रा में इस बार कर्नाटक से आएगी लक्ष्मी हथिनी

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के ऐतिहासिक श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर (हरिबौली) के 78वें बोनालु वार्षिक उत्सव के निमंत्रण पत्र (आह्वान पत्रिका) का सोमवार सुबह राज्य के बीसी कल्याण मंत्री एवं हैदराबाद शहर के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के कर-कमलों द्वारा भव्य विमोचन किया गया।

बंजारा हिल्स स्थित मिनिस्टर्स क्वाटर्स में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से बोनालु उत्सव के सफल और भव्य आयोजन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि ऐतिहासिक श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली अम्मावारी बोनालु जतारा में इस बार विशेष रूप से छिद्रित भव्य शोभायात्रा के लिए कर्नाटक राज्य से 'लक्ष्मी' नाम की हथिनी भाग लेगी।इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष डी.आर. प्रभाकर, सचिव के. दत्तात्रेय, समिति के प्रतिनिधि जगमोहन कपूर, ए. सतीश, एस.पी. क्रांति कुमार, एम. विनोद कुमार, साईं किरण, रवींद्र चारी, एल. अरुण, साहिल एवं अन्य सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 जुलाई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 05:18 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 08:49 तक
योग : सिद्ध रात्रि 06:25 तक
करण : विष्टि सायं 04:37 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 07:55 तक
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , भद्रा सायं 04:37 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद आत्महत्या की कोशिश की

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रशिक्षु अधिकारी उदय कृष्ण रेड्डी को सोमवार को हैदराबाद के मोतीनगर में एक रिश्तेदार के घर पर कथित तौर पर सैनिटाइज़र पीकर आत्महत्या के प्रयास के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना सोमवार सुबह हुई, जिसके बाद उनके रिश्तेदारों ने उन्हें तुरंत एस.आर. नगर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना एक महिला प्रशिक्षु भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अट्टापुर पुलिस द्वारा श्री रेड्डी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किए जाने के एक दिन बाद सामने आयी है। इस मामले ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में व्यापक ध्यान खींचा था।

इस बीच, प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी रेड्डी ने इंटरनेट पर एक संदेश साझा कर दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए आर–ोप और चलाई जा रही मुहिम पूरी तरह झूठी है।

उन्होंने कहा कि उन्हें कानूनी प्रणाली पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वास है कि न्याय होगा। पुलिस यौन उत्पीड़न के मामले में अपनी जांच जारी रखे हुए है।

निज़ामाबाद में एसबीआईएल-2 का भव्य आयोजन

युवाओं और महिलाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता में दिखा उत्साह, खेल भावना और सामाजिक एकता का अनूठा संगम

निज़ामाबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निज़ामाबाद में श्री सिखवाल ब्राह्मण प्रीमियर लीग (एसबीआईएल-2) का भव्य आयोजन 18 जुलाई 2026 को हंगरीला स्पोर्ट्स क्लब में किया गया। प्रतियोगिता में युवाओं के साथ–साथ महिलाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश एवं श्रृंगी ऋषि के पूजन–अर्चन तथा आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के उपाध्यक्ष भगवान नागला ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि खेलकूद से युवाओं का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा ऐसे आयोजन समाज में आपसी सौहार्द और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं द्वारा आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता की सराहना की।

खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा : सत्यनारायण नागला

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सत्यनारायण नागला ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को क्रिकेट जैसे खेलों का नियमित आयोजन करते रहना चाहिए, जिससे उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। विशिष्ट अतिथि जुगलकिशोर पांडे ने कहा कि

युवाओं को पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, क्योंकि खेल व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है।इस अवसर पर मंत्री घनश्याम उपाध्याय, विनोद पांडे सहित अन्य समाजबंधुओं ने पूजा–अर्चना की। इसके पश्चात सालासर ग्रुप द्वारा मुख्य अतिथियों एवं समाज के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में समाज के जगदीश व्यास, विजय प्रकाश व्यास, राजेश नागला, सुखदेव नागला, राधेश्याम उपाध्याय, श्रीनिवास व्यास, सूरज व्यास, नितिन पांडे, पवन पांडे, जितेंद्र नागला, राजेश व्यास, आनंद उपाध्याय, भगवान उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, महेश पांडे, ऋषभ व्यास, आकाश व्यास, रवि नागला, आशीष ओझा, दिनेश पांडे, प्रशांत तिवारी, अर्जुन व्यास, अनिल व्यास सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

महिला एवं पुरुष वर्ग में हुए रोमांचक मुकाबले

महिला वर्ग में महिला शक्ति, शिव शक्ति एवं बजरंगी क्वीन टीमों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता में बजरंगी क्वीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि शिव शक्ति टीम उपविजेता (रनर–अप) घोषित हुई।वहीं पुरुष वर्ग में कुल 12 टीमों ने भाग लेकर रोमांचक मुकाबले खेले और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

सालासर ग्रुप का रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सालासर ग्रुप का विशेष सहयोग रहा। ग्रुप से जुड़े विकास व्यास, विक्रम व्यास, सिद्धार्थ व्यास, रामजीवन व्यास, सागर नागला, रोहित ओझा तथा राम नागला सहित सभी सहयोगियों का आयोजकों ने आभार व्यक्त किया।

खेलों के माध्यम से समाज में एकता और स्वास्थ्य का संदेश

आयोजकों ने बताया कि श्री सिखवाल ब्राह्मण प्रीमियर लीग का उद्देश्य समाज के युवाओं एवं महिलाओं को खेलों से जोड़ना, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समाज में आपसी भाईचारा और एकता को बढ़ावा देना है। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों, दर्शकों और समाजबंधुओं में उत्साह का वातावरण बना रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

कॉकरोच...

करते हुए कहा कि सरकार को युवाओं की बात सुननी चाहिए, न कि उन पर लाठीचार्ज कराना चाहिए। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और आतिशी, सीपीआईएम के एम.ए. बेबी, वृंदा करात और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव भी संसद मार्ग पर प्रदर्शन में शामिल हुए। सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल प्रसिद्ध अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा, हम यहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने आए हैं। यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। महात्मा गांधी ने हमें अहिंसा का रास्ता दिखाया है। हमारा हिंसा का कोई इरादा नहीं है।

अमित शाह ने की 4 घंटे की मैराथन बैठक

दिल्ली की सड़कों पर एक ओर उग्र प्रदर्शन हो रहे थे, तो दूसरी ओर संसद भवन के भीतर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार उच्चस्तरीय बैठकें कर रहे थे। सबसे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दोपहर करीब 1:08 बजे अमित शाह से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब 45 से 50 मिनट तक गंभीर चर्चा चली। इसी दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल होने पहुंच गए।

इसके बाद करीब 2:12 बजे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी इस बैठक में शामिल हुए। यह उच्चस्तरीय बैठक करीब 4 घंटे तक चली। सूत्रों का दावा है कि गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच हुई इस बैठक में सरकार द्वारा देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अब तक उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। हालांकि, सरकार या भारतीय जनता पार्टी की ओर से इस बैठक में हुई बातचीत के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

काला सागर...

की पूरी कोशिश कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने मारे गए भारतीय नागरिकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और घायल भारतीय नागरिक के जल्द और पूरी तरह ठीक होने की कामना की है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत ऐसे हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। भारत ने दोहराया कि कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना, निर्दोष आम नागरिकों (क्रू सदस्यों) की जान जोखिम में डालना या नेविगेशन और व्यापार की आज़ादी में बाधा डालना पूरी तरह निंदनीय है और ऐसा कतई नहीं किया जाना चाहिए।

बताया गया कि यह जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से अनाज ले कर निकल रहा था, तभी इसे निशाना बनाया गया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह जहाज पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी–बिसाऊ के झंडे के तहत समुद्र में परिचालन कर रहा था।

मृतक भारतीयों में एक शख्स केरल का रहने वाला था। 26 साल के इस शख्स का नाम अखिल जोयन है। वह कासरगोड ज़िले के वेल्लारिक्कुंडु के रहने वाले जोयन और सैली का इकलौता बेटा था।

बलाल ग्राम पंचायत के वेल्लारिक्कुंडु वार्ड के सदस्य शोबी जोसेफ ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि परिवार को सोमवार शाम शिपिंग कंपनी से अखिल की दुखद मौत के बारे में एक आधिकारिक ईमेल प्राप्त हुआ।

यूक्रेन के अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को ओडेसा से निकलने के कुछ ही देर बाद मक्का (अनाज) ले जा रहे कार्गो जहाज़ गोल्डन लियो पर रूस की तीन क्रूज़ मिसाइलें आ गिरीं। यूक्रेन की नौसेना ने बताया कि हमले के तुरंत बाद जहाज़ में भीषण आग लग गई। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, तट के पास एक जहाज़ से घना धुआं उठता देखा गया, जिसकी पहचान बाद में गोल्डन लियो के तौर पर हुई। इसके क्रू में भारत और सीरिया के सदस्य शामिल थे।

कूटनीति...

साथ ही ये सिक्के मिश्रित धातु की जगह स्टील से बनाए जाएंगे और इनका रंग पीले की जगह स्टील जैसा सफ़ेद होगा।

कम्युनिस्ट नेता ने फैसले को बताया राष्ट्र विरोधी

नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के सीनियर नेता भीम रावल ने एक रुपये के सिक्के से नया पॉलिटिकल मैप हटाने के सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना की और इसे नेपाल की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ एक गंभीर कदम बताया। रावल ने मांग की कि सरकार और सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, दोनों ही इस मामले पर तुरंत अपनी स्थिति स्पष्ट करें और सफाई दें।

रावल ने कहा, अगर प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने वाकई एक रुपये के सिक्के से नेपाल का नक्शा (जिसमें लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी शामिल हैं) हटाने और उसकी जगह लो घ्याकर मठ की तस्वीर लगाने का फैसला किया है, तो यह एक और गंभीर राष्ट्र–विरोधी फैसला होगा और नेपाल की क्षेत्रीय अखंडता के लिए एक बड़ा झटका होगा।

क्या है लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी का विवाद?

लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी विवाद भारत और नेपाल के बीच सीमा निर्धारण से जुड़ा एक पुराना संवेदनशील विषय है। यह क्षेत्र उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले, नेपाल के सुदूर–पश्चिमी हिस्से और चीन (तिब्बत) के त्रि–जंक्शन के पास स्थित है। 1816 की ऐतिहासिक सुगौली संधि के तहत भारत–नेपाल सीमा का निर्धारण काली नदी के प्रवाह के आधार पर किया गया था।

विवाद मुख्य रूप से इस बात पर है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम स्थल कहां है। नेपाल का दावा है कि नदी लिम्पियाधुरा से निकलती है, इसलिए लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख का पूरा क्षेत्र उसका हिस्सा है। वहीं भारत का दृढ़ता से कहना है कि नदी का मुख्य स्रोत कालापानी के पास है, इसलिए ये तमाम क्षेत्र भारत के उत्तराखंड राज्य का अटूट हिस्सा हैं।

सामरिक दृष्टि से कालापानी अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जबकि लिपुलेख दर्रा प्रसिद्ध कैलाश–मानसरोवर यात्रा और भारत–तिब्बत व्यापार का प्रमुख व सुगम मार्ग है। वहीं लिम्पियाधुरा नेपाल के दावे का सबसे पश्चिमी बिंदु है। साल 2020 में भारत द्वारा लिपुलेख तक सड़क निर्माण कार्य पूरा किए जाने के बाद यह विवाद अचानक तेज हो गया था। तब नेपाल ने नया राजनीतिक नक्शा जारी कर इन तीनों क्षेत्रों को अपना हिस्सा दिखाया था और उसे अपनी संसद से संवैधानिक मान्यता भी दी थी। भारत इस एकतरफा दावे को खारिज करता रहा है और दोनों देश लगातार बातचीत के जरिए इसका समाधान निकालने की बात करते हैं।

सिक्किम टनल में ...

हालांकि, फंसे लोगों की सटीक संख्या का सत्यापन अभी जारी है, इसलिए इसमें बदलाव भी हो सकता है।रेस्क्यू टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती टनल के अंदर मौजूद मीथेन गैस बन चुकी है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि जहरीली गैस की वजह से कई बचावकर्मियों को चक्कर आने लगे, जबकि कुछ लोग बेहोश भी हो गए। माना जा रहा है कि भूस्खलन के बाद जमीन और चट्टानों की अंदरूनी परतें खिसकने से यह गैस बाहर निकली है। इसके अलावा, टनल का बेहद संकरा रास्ता और कम दृश्यता (विजिबिलिटी) भी राहत कार्य में बड़ी रुकावट बन रही है। यही वजह है कि पूरे बचाव अभियान को बेहद सावधानी के साथ चलाया जा रहा है।जिला प्रशासन को दोपहर करीब 3:40 बजे इस घटना की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद एनडीआरएफ , एसडीआरएफ , जिला पुलिस और फायर सर्विस की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पश्चिम बंगाल से भी एक विशेष रेस्क्यू टीम बुलाई गई है। यह टीम गैस से बचाव के लिए विशेष सुरक्षा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची है।फिलहाल रेस्क्यू टीम गैस मास्क और अन्य सुरक्षा उपकरण पहनकर टनल के भीतर दाखिल होने और मजदूरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। मौके पर कई एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर प्रभावित मजदूरों को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।जिला प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि फिलहाल सबसे पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालना है। इसके बाद हादसे के कारणों की विस्तार से जांच की जाएगी। बताया गया कि यह टनल 'तीस्ता स्टेज–6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट' के तहत बनाई जा रही है। इसका निर्माण पटेल इंजीनियरिंग, एनएचपीसी की परियोजना के लिए कर रही है।

आ गई ...

के तहत इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन देश में ही होगा। इसके लिए ताकेदा ने हैदराबाद की जानी–मानी फार्मा कंपनी बायोलॉजिकल ई के साथ करार किया है। भारत में ही बनने की वजह से इसकी सप्लाई तेज और बिना किसी रुकावट के होगी।

अभी इसकी कीमत का ऐलान होना बाकी है, लेकिन क्योंकि यह देश में ही बनेगी, इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि यह आम लोगों की जेब पर ज्यादा भारी नहीं पड़ेगी।ताकेदा के मुताबिक, भारत दुनिया में डेंगू से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल है। देश के कई हिस्सों में डेंगू वायरस के चारों सीरोटाइप एक साथ फैल रहे हैं। कंपनी के मेडिकल अफेयर्स प्रमुख गोह चू बेंग ने कहा कि क्यूडेंगा को चारों सीरोटाइप से सुरक्षा देने के लिए तैयार किया गया है।कंपनी ने यह भी कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में क्यूडेंगा के इस्तेमाल की सिफारिश करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का समर्थन है कि ज्यादा संक्रमण वाले इलाकों में इसे सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में बिना प्री–वैक्सीनेशन स्क्रीनिंग के शामिल किया जा सकता है।क्यूडेंगा को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की प्री–क्वालिफिकेशन भी मिल चुकी है। इसका मतलब है कि यह गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरती है।

गोल्डन...

लेकिन बड़े एक्सपर्ट्स, खासकर गोल्डमैन सेच्स और जेपी मार्गन का कहना है कि सोना 3,800 से 4,000 के मजबूत सपोर्ट जोन के आसपास ही टिका रहेगा और पूरी तरह क्रैश नहीं होगा।

सोने में 50 फीसदी तक गिरावट के पीछे एक्सपर्ट्स 1980 और साल 2012–13 के ऐतिहासिक आंकड़ों का हवाला दे रहे हैं। हालांकि, इतिहास देखें तो ऑल–टाइम हाई पर पहुंचने के बाद केवल एक बार ही सोने की कीमत में 50% या उससे अधिक की गिरावट देखी गई है, जबकि 20% से 30% तक भाव कई बार गिरे हैं।1980 की ऐतिहासिक गिरावट: जनवरी 1980 में ईरान संकट और अफगानिस्तान पर सोवियत संघ के हमले से दुनिया भर में महंगाई चरम पर पहुंच गई थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 850 प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके ठीक बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों को आक्रामक रूप से बढ़ाकर करीब 20% कर दिया, जिसके बाद सोने की चमक फीकी पड़ने लगी। 1982–1985 आते–आते सोने की कीमत गिरकर 300 से 350 प्रति औंस के बीच आ गई। यह अपने ऑल–टाइम हाई से 60% से अधिक की गिरावट थी, यानी कीमतें घटकर आधी से भी काफी कम रह गईं।

2011 से 2015 की मंदी: साल 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बहुत बढ़ गई थी। सितंबर 2011 में सोना 1,920 प्रति औंस के तत्कालीन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। फिर मंदी के बाद जैसे–जैसे अमेरिकी और वैश्विक अर्थव्यवस्था वापस पटरी पर लौटने लगी, निवेशकों ने सोने से पैसा निकालकर शेयर बाजार में डालना शुरू कर दिया। इसके चलते दिसंबर 2015 तक सोना गिरकर 1,050 प्रति औंस के निचले स्तर पर आ गया, जो इसके ऑल–टाइम हाई से करीब 45% की गिरावट थी। मौजूदा दौर की बात करें तो जनवरी 2026 में सोने ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में 5,595 प्रति औंस का नया ऑल–टाइम हाई छुआ था। लेकिन मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक महंगाई बढ़ने का खतरा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में फिर से बढ़ोतरी की आशंकाओं के चलते सोना ऊपरी स्तरों से करीब 30% गिरकर 4,000 के नीचे आ गया है, और यहां से भी गिरावट के अनुमान लगाए जा रहे हैं। तकनीकी विश्लेषकों का मानना है कि पिछले दो साल में सोने में जो जबरदस्त तेजी आई थी, वह जरूरत से ज्यादा थी। बाजार का एक नियम है कि जब कोई कमोडिटी अपनी वास्तविक वैल्यू से बहुत ऊपर चली जाती है, तो वह वापस अपने ऐतिहासिक औसत पर लौटती है।आपके मन में यह सवाल आ सकता है कि भारत में सोना कभी आधा होता हुआ क्यों नहीं दिखता? इसका मुख्य कारण है अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये का कमजोर पड़ना, और भारत सरकार द्वारा सोने के आयात को कम करने के लिए लगाया जाने वाला इंपोर्ट शुल्क (आयात शुल्क) और टैक्स। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 40% गिरता है, तब डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने के कारण भारतीय बाजार में यह गिरावट अक्सर घटकर सिर्फ 15% से 20% ही रह जाती है, जिससे भारतीय निवेशकों के लिए गिरावट का असर काफी कम हो जाता है।

विफ़ा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सुनील शर्मा को विप्र जीवन गौरव पुरस्कार से नवाजा गया

जालना, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्राह्मण समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन (विफ़ा) जोन 12-सी की ओर से जालना (महाराष्ट्र) में भव्य शपथ ग्रहण एवं पदग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विप्र समाज के संगठनात्मक सशक्तीकरण, सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने तथा समाजहित में किए गए बहुमूल्य योगदान के सम्मान स्वरूप विफ़ा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. सीए सुनील शर्मा को 'विप्र जीवन गौरव पुरस्कार' से नवाजा गया।

डॉ. शर्मा को शॉल, सम्मान-पत्र एवं पुष्पमाला भेंट कर गरिमामय वातावरण में सम्मानित किया गया। उपस्थित समाजबंधुओं ने करतल ध्वनि से सभागार को गुंजायमान कर दिया और खड़े होकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में क्षेत्रीय अध्यक्ष सीए आर. बी. शर्मा, राष्ट्रीय सचिव सुरेश पारीक, पर्यवेक्षक राजेश बुटोले, जोन 12-सी अध्यक्ष रामनिवास गौड़, संगठन महामंत्री पवन जोशी, कोषाध्यक्ष ललित बिजावत, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रमेश शर्मा, बंकटलाल खंडेलवाल, दामोदर पांडे, सीए अनुप शुक्ला, नाशिक जोन अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, जोन उपाध्यक्ष किशोर उपाध्याय, सीए सीएम. शर्मा, श्यामसुंदर पारिक, अरुण कुमार ओझा, राजेंद्र शर्मा, छत्रपति संभाजीनगर चैप्टर अध्यक्ष विवेक तिवारी, संगठन महामंत्री विनोद बबेरवाल, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, परभणी अध्यक्ष एडवोकेट आनंद शर्मा, संगठन महामंत्री पवन पुरोहित, कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, बीड अध्यक्ष महेश बोरा, संगठन महामंत्री योगेश दायमा, कोषाध्यक्ष किशोर शर्मा, जालना अध्यक्ष जयप्रकाश श्रीमाली, संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, कोषाध्यक्ष महेश खंडेलवाल, महिला प्रकोष्ठ जालना अध्यक्ष श्रीमती रश्मी शर्मा, संगठन महामंत्री श्रीमती प्रिया अबोटी, कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्या शर्मा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गौरव बोरा, संगठन महामंत्री प्रतीक सारस्वत, कोषाध्यक्ष रोहित गौड़, वीआईसीसीआई अध्यक्ष विशाल शर्मा, सचिव रवींद्र अबोटी सहित अनेक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

बॉलीवुड फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ने बच्चों को बांटी मुफ्त नोटबुक्स

मुंबई, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिने स्टिल टीवी एंड मोशन फोटोग्राफर्स एसोसिएशन के सदस्यों के बच्चों को मुफ्त नोटबुक्स वितरित किए गए। इस वर्ष भी एसोसिएशन की परंपरा को जारी रखते हुए समाज सेवक, निर्माता एवं पत्रकार के. रवि (दादा) के सौजन्य से नोटबुक्स का वितरण किया गया।

एसोसिएशन के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में फोटोग्राफर सदस्यों के बच्चों को नोटबुक्स सौंपी गईं। कार्यक्रम के बाद एसोसिएशन के महासचिव अतुल राजकूले और अध्यक्ष जनाब अप्पी वारसी ने संस्था की सभी कमिटियों की ओर से के. रवि (दादा) का आभार व्यक्त किया। के. रवि (दादा) कई वर्षों से विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। बॉलीवुड के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में उनका यह नोटबुक वितरण कार्यक्रम सराहनीय माना जा रहा है। एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार जताया।

जोधपुर एसोसिएशन बेंगलुरु का पिकलबॉल टूर्नामेंट संपन्न

बेंगलुरु, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जोधपुर एसोसिएशन बेंगलुरु द्वारा पीवाईकेएलएन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित बहुप्रतीक्षित पिकलबॉल टूर्नामेंट ''लेट्स पिकल'' थीम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

टूर्नामेंट में संस्था के विभिन्न आयु वर्ग के सदस्यों ने पूरे जोश, उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष कैलाश भन्साली के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद मंत्री राजेश भंडारी ने खेल समिति के सदस्यों के साथ मिलकर सभी 8 टीमों को जर्सी वितरित की और खेल के नियमों की जानकारी दी।

दिनभर चले लगभग 90 मैचों के बाद कप्तान श्रेयांश भंडारी और कविता शरद भंडारी की टीम 'एसई चैलेंजर्स' विजेता घोषित हुई। रेखा अमित मेहता और कप्तान नमन मेहता की टीम उपविजेता रही।

अन्य टीमों ‑ एचसीजी पेडल पाइरेट्स, नवचौकिया नाइट राइडर्स, डोरेमोन डोमिनेटर्स, जोधपुर रॉयल्स, मिरेकल ईसमेशर्स और सनसिटी फाइटर्स ‑ ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

समापन अवसर पर उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि टाइटल स्पॉन्सर मेहता ज्वेलरी (नरेश नवीन मेहता) सहित सभी प्रायोजकों ‑ धीरेंद्र कुमार सिंघी, पदमराज मेहता, लक्ष्मीचंद भंडारी, राजेन्द्र लोढा, कैलाश भन्साली, राजेश भंडारी, अशोक व्यास, रौनक गुलेच्छा, कमल भंडारी, प्रशांत कपिल सिंघी, अनिल भंडारी और ऋषि भंडारी ‑ ने 130 खिलाड़ियों को पदक व पुरस्कार प्रदान किए।

संरक्षक राजेन्द्र लोढा के सौजन्य से खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार भी दिए गए। राजेश भंडारी, महेंद्र राज भंडारी और जितेंद्र दुगड़ ने स्वरुचि भोज एवं एनर्जी ड्रिंक की व्यवस्था की।

सज्जन राज मेहता ने कहा कि जोधपुर एसोसिएशन हर वर्ष ऐसे खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खेल समिति और प्रायोजकों के सहयोग से कम्युनिटी को एकजुट करने और हर पीढ़ी को प्रेरित करने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

बीआरएस का किसान सम्मेलन, मंचेरियाल में केटीआर का दौरा आज

मंचेरियाल, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) कल 21 जुलाई को मंचेरियल का दौरा करेंगे। इस दौरान लक्षेट्टीपेट के वासवी फंक्शन हॉल में किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें केटीआर मुख्य अतिथि होंगे। मंचेरियल के पूर्व विधायक नडिपेल्ली दिवाकर राव के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में उनके पुत्र नडिपेल्ली विजित कुमार ने बताया कि लक्षेट्टीपेट और दंडेपल्ली मंडलों में राज्य सरकार की लापरवाही के कारण जान गंवाने वाले चार किसान परिवारों को बीआरएस पार्टी की ओर से 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता केटीआर के हाथों कल के सम्मेलन के दौरान सौंपी जाएगी।

पेद्दापल्ली में निर्माण श्रमिकों का धरना, कलेक्टर को दिया ज्ञापन

पेद्दापल्ली, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) । सीआईटीयू से संबद्ध भवन निर्माण श्रमिक यूनियन के तत्वावधान में आज जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिला महासचिव वेलपुला कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें निर्माण श्रमिकों के साथ अन्याय कर रही हैं। बीमा व स्वास्थ्य जांच के नाम पर करोड़ों रुपये का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने सरकारी आदेश संख्या 12 को रद्द कर कल्याणकारी योजनाओं को निजी बीमा कंपनियों के बजाय कल्याण बोर्ड के माध्यम से सीधे लागू करने की मांग की।

छात्रों को समय पर नहीं मिल रही बस सुविधा, भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

पेद्दापल्ली, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नसूरुल्लाबाद मंडल के हाजीपुर, संगम और अंकोल गांवों के छात्र रोजाना आरटीसी बस से नेमली जिला परिषद हाई स्कूल आते-जाते हैं। सुबह 7 बजे बस आने से कई छात्र बिना खाए ही स्कूल जाने को मजबूर हैं, जिससे दोपहर 1 बजे तक भूखे रहने के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। समय से पहले बस आने और कभी-कभी देरी से आने के कारण कई छात्र स्कूल देर से पहुंचते हैं और पढ़ाई बाधित होती है। छात्रों और अभिभावकों ने आरटीसी अधिकारियों से सुबह 7 बजे की बस का समय बदलकर 8 बजे करने की मांग की है।

दहेज प्रताड़ना से पीड़िता ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

पेद्दापल्ली, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दहेज उत्पीड़न से परेशान एक महिला ने सोमवार को पेद्दापल्ली कलेक्टर कार्यालय के सामने बैठकर न्याय की गुहार लगाई और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पीड़िता भज्जुरी रेखलता निवासी पेद्दापल्ली ने बताया कि उसका विवाह भीमराम निवासी प्रवीण कुमार से हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद पति और उसके परिजन अतिरिक्त दहेज की मांग कर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।महिला का आरोप है कि पहले पुलिस में शिकायत पर पति ने पंचायत में अच्छे से रखने का वादा किया था, लेकिन बाद में वादा तोड़कर उसे घर से निकाल दिया, सोने के गहने छीन लिए और व्हाट्सएप व नोटिस के जरिए परेशान करने लगा। ससुराल पक्ष से जान से मारने की धमकी भी मिल रही है। फिलहाल वह पेद्दापल्ली में किराए के मकान में बिना आर्थिक सहारे के रह रही है। उसने कलेक्टर से पति व परिजनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है।

देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में वैश्यों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होनी चाहिए : डी. श्रीनिवास

ग्रेटर वैश्य बिजनेस लीडर्स की प्रथम वर्षगांठ पर उद्यमिता, सामाजिक नेतृत्व और संगठनात्मक एकजुटता पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और समाज के समग्र विकास में वैश्य समुदाय की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल देते हुए डी. श्रीनिवास (एसपी, विजिलेंस एंड एनफोर्समेंट) ने कहा कि वैश्य समाज को देश की आर्थिक दिशा तय करने में और भी महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से ही वैश्य समुदाय व्यापार और उद्यमिता का प्रमुख आधार रहा है तथा आज भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह विचार उन्होंने हैदराबाद के कोम्पल्ली स्थित हैम्स-टैन्स फंक्शन हॉल में आयोजित 'ग्रेटर वैश्य बिजनेस लीडर्स' (जीवीबीएल) की प्रथम वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जीवीबीएल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजशेखर मंची ने की। समारोह में डी. श्रीनिवास, भारतीय जनता पार्टी के राज्य आधिकारिक प्रवक्ता चिकोटी प्रवीण कुमार, केपीसी प्रोजेक्ट्स के सीएमडी के. अनिल कुमार तथा सुधाकर पीवीसी के निदेशक मीला जयदेव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डी. श्रीनिवास ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्य समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाने, उसके अधिकारों की रक्षा करने तथा नैतिक, बौद्धिक, व्यावसायिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में उसकी भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों से समुदाय राष्ट्र निर्माण में और अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है। जीवीबीएल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजशेखर मंची ने बताया कि संगठन की स्थापना वैश्यों के सामूहिक विकास और व्यावसायिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि संगठन आपसी नेटवर्किंग के माध्यम से देश और विदेश में वैश्य उद्यमियों को मजबूत व्यावसायिक नेतृत्व प्रदान करने का कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में जीवीबीएल के अध्यक्ष जिला प्रसाद, उपाध्यक्ष टी. क्रांति, बी. संतोष, टी. शिवा, जी. श्रीनिवास, जी. निखिल एवं के. भरत कुमार, सचिव रवि कोंडूरी, कोषाध्यक्ष सी. तरुण, कार्यकारिणी सदस्य के. वेणु, आर. प्रसाद एवं कृष्णा मोहन गुप्ता सहित राज्य के विभिन्न जिलों से संगठन के 14 चैप्टरों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विप्र सेना तेलंगाना में नई नियुक्तियाँ, संगठन को मिले दो महत्वपूर्ण दायित्व

नरेश पांडेय बने प्रदेश युवा अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार हरि प्रसाद व्यास को प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विप्र सेना तेलंगाना प्रदेश संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार व्यास जानम ने संगठन में दो महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की है।

प्रदेश अध्यक्ष ने श्री नरेश पांडेय को तेलंगाना प्रदेश युवा अध्यक्ष तथा दक्षिण भारत के वरिष्ठ हिंदी पत्रकार श्री हरी प्रसाद व्यास को तेलंगाना प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है।

संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में अहम पहल

प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार व्यास जानम ने कहा कि विप्र सेना का उद्देश्य ब्राह्मण समाज को संगठित कर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों को नई गति प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारी अपनी योग्यता, अनुभव एवं समर्पण के बल पर संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

युवाओं को जोड़ने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प

नवनियुक्त प्रदेश युवा अध्यक्ष नरेश पांडेय ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा व्यक्त करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़कर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

वहीं प्रदेश मीडिया प्रभारी हरी प्रसाद व्यास ने कहा कि वे संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने तथा समाजहित के सकारात्मक संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

नव-नियुक्त पदाधिकारियों को मिली शुभकामनाएँ

विप्र सेना परिवार के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने दोनों नव-नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामना की। संगठन के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई नियुक्तियों से संगठन की गतिविधियों को और अधिक गति मिलेगी तथा समाज सेवा के कार्यों का प्रभावी विस्तार होगा।

आचार्य श्री जगप्रज्ञसूरिश्वरजी का चातुर्मास मंगल प्रवेश

सिरोही, 19 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिरोही जैन संघ के तत्वावधान में परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री जगप्रज्ञसूरिश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा का भव्य चातुर्मास मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। अर्ध शत्रुंजय के नाम से विख्यात सिरोही में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

जैनरत्न रमेश पुखराजजी तातेड (सिकंदराबाद-सिरोही) ने बताया कि कांच मंदिर, कृष्णगंज से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई जैन वासी (जेवीसी) पहुँची। मार्गभर श्रद्धालुओं ने गुरु भगवंत का जयघोष के साथ स्वागत एवं वंदन किया, जिससे पूरा वातावरण धर्ममय और भक्तिमय हो गया।

चातुर्मास मंगल प्रवेश के अवसर पर सिरोही-जालोर के सांसद लुंबाराम चौधरी, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी, पूर्व विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार संयम लोढ़ा तथा पूर्व विधायक एवं राजस्थान विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती ताराबेन भंडारी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने गुरु भगवंत के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में साधु-साध्वियाँ, श्रावक-श्राविकाएँ एवं श्रद्धालु सिरोही पहुँचे। सभी ने चातुर्मास मंगल प्रवेश के पावन अवसर पर धर्मलाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की विशाल उपस्थिति से पूरा आयोजन भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा। चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती टीपूबाई अमरचंदजी भाणाजी चौहान परिवार, नारादरा (सिरोही) एवं चेन्नई निवासी परिवार रहे। आयोजन को सफल बनाने में लाभार्थी परिवार एवं श्री सिरोही जैन संघ का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के समापन पर श्री सिरोही जैन संघ तथा सिरोही-सिकंदराबाद-हैदराबाद संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने चातुर्मास मंगल प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए आयोजन की सफलता पर सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाग्यनगर हैदराबाद में पुनमचंदजी मोहनलालजी नागला सोडावत परिवार की लाडली रामदेव नागला की सुपौत्री व दिनेश नागला की सुपुत्री रुचीका एवंम राहुलजी उपाध्याय के ऋषिश्रृंग भवन (दालमण्डी) फिलखाना में आयोजित मांगलिक परिणय अवसर पर स्वजाति बंधु गण, राजस्थानी ब्राम्हण समाज, व्रिप फाऊंडेशन, राजस्थानी प्रगती समाज व नगर की विभीन्न संस्थाओं के पदाधिरीकारी गण व नगर के बाहर अन्य नगरों से पधारे भाईयो ने उपस्थीत रहकर नवदम्पत्ती को आशीर्वाद प्रदान किया जिसके लिए नागला सोडावत परिवार में पधारे सभी भाईयों का आभार प्रकट करता हैं ।

आभार प्रकटकर्ता
पुनमचंदजी मोहनलालजी नागला सोडावत परिवार धाकडीवाला

एलआईसी के पास बिना दावे के 7319 करोड़ और इपीएफ के निष्क्रिय खाते में 9331 करोड़

नई दिल्ली, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।भारतीय जीवन बीमा निगम के पास इस साल 31 मार्च तक कुल 7318.50 करोड़ रूपये की राशि बिना दावें की पडी हुई है। इसमें से 5564.55 करोड़ रूपये बिना दावों की राशि पालिसीधारकों की है और इस बिना दावें की राशि पर 1753.95 रूपये की आय अर्जित हुई है।

केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में जानकारी देते हुये यह भी कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम के बिना दावें की कुल 7318 करोड 50 लाख रूपये के अलावा कर्मचारी भविष्य निधि में इस साल 31 मार्च तक कुल 9330 करोड 56 लाख रूपये निष्क्रिय खाते में पड़े हुए है।

श्री चौधरी ने बताया कि सरकार ने ऐसे बिना दावे के खातदारों के पात्र लाभाथर्यिों की पहचान करने और उन्हें राशि वापस करने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया हुआ है।

पालिसीधारक एलआईसी की वेबसाइट एलआईसीइंडिया डाट इन पर अपना पैन अथवा जन्म तारीख और वर्ष डाल कर बिना दावे की राशि के बारें में खोज कर सकते है। उन्होंने कहा कि एलआईसी के शाखा व डिवीजनल अधिकारी पालिसीधारकों को पत्र भेजकर उनके निवास स्थान को अपडेट कर रहे है।

वित्त राज्यमंत्री का कहना है कि चूंकि

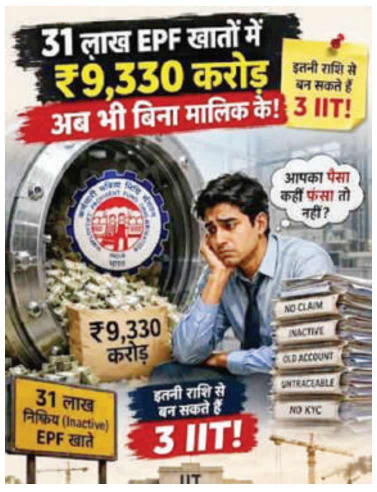

डेटा पिछले 10 वर्षों की बकाया राशि से संबंधित है, इसलिए दावा संबंधी आवश्यकताओं और एनईएफटी विवरण प्राप्त करने के लिए शाखा/मंडल कार्यालयों द्वारा सभी संभावित माध्यमों का उपयोग करते हुए ग्राहक से अनुपालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एलआईसी ने इन पॉलिसीधारकों/लाभार्थियों के विवरण, जैसे पता और मोबाइल नंबर, का पता लगाने के लिए क्रेडिट ब्यूरो एजेंसी की सेवाएं ली हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि बीमा कंपनियों के कामकाज और उससे जुड़े मामलों पर इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (इरडाआई) द्वारो 19 जून 2024 को जारी परिपत्र के अनुसार, 10 साल से ज्यादा समय से बिना दावे वाली रकम को सीनियर सिटिज़न वेलफ़ेयर फ़ंड में ट्रांसफ़र करना ज़रूरी है, जिसका प्रबंधन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय करता है। हर साल 1 मार्च को या उससे पहले योग्य रकम ट्रांसफ़र करती है। श्रम और रोज़गार मंत्रालय की जानकारी के अनुसार, फ़िलहाल इन फ़ंड का इस्तेमाल किसी और मकसद के लिए करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

वित्त राज्यमंत्री ने बताया कि निष्क्रिय खातों की पहचान की गई और उन्हें अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया। इपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टीज़ ने आधार-वेरिफ़ाइड निष्क्रिय खातों में क्लेम सेटलमेंट (दावा निपटान) की प्रक्रिया को ऑटो-इनिशिएट (अपने-आप शुरू) करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी है। इन खातों में 1,000 रूपये या उससे कम की बिना दावे वाली राशि जमा है।

उन्होंने कहा कि यह राशि सदस्यों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में जमा की जा रही है, जिसके लिए किसी नए दावे या दस्तावेज़ की ज़रूरत नहीं है। इससे प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है और सदस्यों को उनका बकाया तेज़ी से मिल रहा है। यह प्रोजेक्ट अभी चल रहा है और ठीक से जांच-पड़ताल के बाद इसे अन्य राशि स्लैब के लिए भी लागू किए जाने की संभावना है।

तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में इंदिरम्मा आवास योजना शुरू की

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई) इलाके के लिए कम आय वाले समूह (एलआईजी) के लिए इंदिरम्मा आवास योजना शुरू की। इस योजना में हैदराबाद से लेकर आउटर रिंग रोड (ओआरआर) तक का इलाका शामिल है और इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक लाख किफायती फ्लैट बनाने की योजना है।

आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अज-हरुद्दीन ने सचिवालय में औपचारिक रूप से इस योजना की शुरुआत की और इसके लिए पात्रता की शर्तें और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। इस योजना के तहत तेलंगाना हाउसिंग बोर्ड (जीएचएमसी), साइबराबाद और मेडचल-मलकाजगिरी में सरकारी ज़मीन पर बहुमंजिला हाउसिंग कॉम्प्लेक्स बनाएगा। पहले चरण में, सीयूआरई इलाके के 16 विधानसभा क्षेत्रों में से हर एक में लगभग 500-500 फ्लैट बनाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह योजना उन कम आय वाले परिवारों के लिए है जिनके पास सीयूआरई इलाके में अपना घर या ज़मीन नहीं है। हर लाभार्थी को 528 वर्ग फुट का फ्लैट मिलेगा। सरकार ज़मीन मुफ्त देगी, जिससे घर की कीमत काफी कम हो जाएगी। आवेदकों का इस इलाके में कम से कम 10 साल से रहना ज़रूरी है। उनके पास इस इलाके में कोई घर या प्लॉट नहीं होना चाहिए और हर परिवार से सिर्फ़ एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा। जिन लोगों को पहले किसी सरकारी आवास योजना का फ़ायदा मिल चुका है, वे इसके लिए पात्र नहीं होंगे। आवंटित किए गए फ्लैटों को रजिस्ट्रेशन के बाद 10 साल तक बेचा या ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है। उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद शुरू किया गया यह अपनी तरह का पहला शहरी आवास कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में पात्र परिवारों को घर देने के अपनी छह गारंटी को पूरा करती है।

उन्होंने कहा कि वर्टिकल हाउसिंग मॉडल हैदराबाद में ज़मीन की ऊंची कीमतों की चुनौती से निपटने में मदद करेगा और कम आय वाले परिवारों को शहर में अपना घर बनाने का मौका देगा। श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक साल के भीतर फ्लैटों का पहला बैच सौंपना है और भविष्य में मध्यम आय वर्ग के लिए भी ऐसी ही हाउसिंग योजनाएं शुरू करने की योजना है।

जन्मदिन पर सेवा का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य : महेश मेहता

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, आत्मीयता एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश मेहता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा उनके जन्मदिन के अवसर पर सम्मानित किया जाना उनके लिए अत्यंत गौरव और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे विशेष अवसर को सेवा कार्य से जोड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए वे राधे-राधे ग्रुप के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के जीवनभर आभारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है और ऐसे सेवा कार्यों से समाज में प्रेम, सहयोग एवं मानवता की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से महेश मेहता का पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, संजय गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, महेश मेहता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने नियमित अन्नदान सेवा को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

अग्रवाल शिक्षा समिति की एमबीए विभाग की प्रवेश बैठक आयोजित

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति के एमबीए विभाग की वर्ष 2026-27 के प्रवेश अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। समिति के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र के प्रवेश, सीटों की पूर्ति एवं प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल शिक्षा समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों, ट्रस्टियों एवं अन्य सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे अपने संपर्क में आने वाले पात्र विद्यार्थियों को प्रबंधन कोटा के अंतर्गत प्रवेश दिलाने के लिए प्रेरित करें, ताकि सीटें भरने के बाद किसी भी विद्यार्थी को निराश न होना पड़े।

उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से एमबीए विभाग में शत-प्रतिशत सीटों की पूर्ति होती रही है तथा विभाग का परीक्षा परिणाम भी लगातार 95 प्रतिशत से अधिक रहा है, जो संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण है।बैठक में विद्यार्थियों से विशेष रूप से अपील की गई कि जिन्होंने आई-सेट (आईसीईटी) परीक्षा नहीं दी है, वे भी प्रबंधन कोटा के माध्यम से शीघ्र प्रवेश लेकर इस अवसर का लाभ उठाएं।समिति के संयोजक सत्यजीत सिंह ठाकुर एवं पद्मजा ने विभाग के सभी सहयोगियों के साथ मिलकर इस वर्ष निर्धारित 120 सीटों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

बैठक में कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. दाल पड़ाल, निदेशक प्रो. पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, किरण, वेंकटेश, पद्मजा, लाइब्रेरियन सीनू तथा अग्रवाल शिक्षा समिति की ओर से प्रवेश सहायक डॉ. नागराज सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में प्रवेश अभियान को सफल बनाने, अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक संस्थान की उपलब्धियों को पहुँचाने तथा समयबद्ध रूप से सभी सीटों की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने का निर्णय लिया गया।

राधे रानी की कृपा और पूर्वजों के आशीर्वाद से निरंतर प्रज्वलित है सेवा का यह पावन दीप : सतीश अग्रवाल

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। पूरे वातावरण में सेवा, समर्पण और मानवता का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए सतीश अग्रवाल ने कहा कि राधे रानी की असीम कृपा और हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद से ही यह नियमित अन्नदान सेवा निरंतर आगे बढ़ रही है। इस पुण्य कार्य में हमारा कोई व्यक्तिगत योगदान नहीं है। करने वाले और करवाने वाले तो स्वयं प्रभु परमात्मा हैं, हम सभी तो केवल उनके हाथों का एक माध्यम हैं। जब ईश्वर किसी से सेवा कराना चाहते हैं, तब वे स्वयं मार्ग भी बनाते हैं और सहयोगी भी भेजते हैं।उन्होंने कहा कि जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन मिलने के बाद जो संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, वही इस सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। किसी भूखे को सम्मानपूर्वक भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची पूजा और ईश्वर की आराधना है। यही भावना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद को प्रतिदिन निस्वार्थ भाव से सेवा करने की प्रेरणा देती है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, सतीश गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, गोपाल गोयल एवं महेश अग्रवाल ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने संकल्प लिया कि राधे रानी की कृपा से यह मानव सेवा का पावन अभियान निरंतर इसी समर्पण और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

सम्यक (स्वाध्याय) मंडल का स्नेह मिलन एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पी.जी. रोड स्थित जैनम टॉवर में रसूलपुरा, सिकंदराबाद के सम्यक (स्वाध्याय) मंडल द्वारा हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ गेट-टुगेदर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्राविकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में शशीबेन चौहान, रोहिणीबेन भंडारी, पुष्पाबेन तातेड, लीलाबेन मेहता, रेखाबेन भोर्डतरिया, पुष्पबेन दांतेवाड़िया, भानुबेन सेठ एवं सविताबेन सहित सभी श्राविकाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई। कार्यक्रम ने आपसी स्नेह, सौहार्द एवं धार्मिक एकता को और मजबूत किया।जैनरत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि श्री सांचौरी वर्धमान जैन परिषद (सिकंदराबाद-हैदराबाद) द्वारा एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तांबर जैन तीर्थ तथा मनोहराबाद स्थित नूतन जैन देरासर के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।धार्मिक यात्रा के उपरांत मेड़चल स्थित वनम रिसॉर्ट में स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद के अध्यक्ष चम्पालाल चन्दन, सचिव निमेश श्रीश्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष मफतलाल भंसाली एवं सह-सचिव सतीश मेहता की गरिमामयी उपस्थिति एवं अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में परिषद के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान धार्मिक, सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। साथ ही आपसी परिचय, संवाद और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित स्नेह मिलन ने सभी प्रतिभागियों को यादगार अनुभव प्रदान किया।

जैन संतो का आध्यात्मिक मिलन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी आदि ठाणा-2 व श्वेताम्बर तपागच्छ संप्रदाय के क्रांतिकारी प्रवचनकार आचार्य श्री विमलसागरसुरीश्वर जी महाराज का आध्यात्मिक मिलन महावीर भवन, फीलखाना में हुआ। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार संतों ने कई विषयों पर विचार विमर्श किए और संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम करने का भाव प्रकट किया। इस अवसर पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के उपाध्यक्ष हुकम चंद जी कोटेचा, सहमंत्री राकेश जी सुराणा, तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद के अध्यक्ष विनोद जी दुगड़, उपाध्यक्ष प्रमोद जी भंडारी, सेवाभावी श्रावक प्रेमसुख बेंगानी, अरिहंत गुजरानी, खुशाल भंसाली, विशाल भंडारी व तेरापंथी व श्वेताम्बर तप्पगछ समाज के श्रावकों की अच्छी उपस्थिति रही।

प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित मंत्र तोरण का विमोचन करते हुए आचार्य भगवंतश्री विमलसागरजी म सा, पद्म विमल सागर, साथ मे रिद्धिश जागीरदार, मोहनलाल बाग़रेचा, मुकेश चौहान, अशोक बंदामुथा, विजय सुराणा, पवन पंड्या, जिनेन्द्र बाफना, रविकुमार मुणोत, संदीप भोजानी, केतन छाजेड एवं अन्य।

जियागुडा में जल संकट : बोहिनी दर्शन ने प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 20 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जियागुडा के कॉरपोरेटर बोहिनी दर्शन और नव भारत संघम के पूर्व अध्यक्ष श्री मधिरा सत्यनारायण ने रेड हिल्स स्थित वॉटर वर्क्स एंड सीवरेज बोर्ड के जनरल मैनेजर श्री जमील अल्ताफ हुसैन को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जियागुडा क्षेत्र में पिछले छह महीनों से जल आपूर्ति की गंभीर समस्याओं ˉ कम दबाव, अनियमित सप्लाई और रात के समय कम दबाव पर पानी आने ˉ का मुद्दा उठाया गया।

मुख्य शिकायतें : -अल्लाबंदा रिजर्वायर से आने वाले पानी की चोरी मंगलहाट में गैर-कानूनी वाल्व लगाकर की जा रही है। -जियागुडा डिवीजन में रोजाना चार घंटे पानी छोड़ा जाना चाहिए, लेकिन आधी रात तक पानी नहीं पहुंचता। -इस महीने के पहले सप्ताह में एमडी को दिए गए ज्ञापन के बाद केवल एक दिन शाम 5 बजे पानी सप्लाई किया गया। कॉरपोरेटर बोहिनी दर्शन ने मांग की कि जियागुडा डिवीजन में रोजाना शाम 4 बजे से नियमित रूप से पीने का पानी सप्लाई किया जाए।

जनरल मैनेजर श्री जमील अल्ताफ हुसैन ने आश्वासन दिया कि जियागुडा में पानी की समस्या जल्द ही हल कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि मंगलहाट में अवैध वाल्व लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इस अवसर पर मधिरा सत्यनारायण, टीडीपी नेता नरसिंग राव, भाजपा नेता मुरली तथा अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.